वर्ष : 17 · अंक : 207 · मूल्य : 02 रुपया मात्र · पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित · सोमवार 18 मई 2026

भारत-नीदरलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदला

एजेंसी। द हेग (नीदरलैंड)

भारत और नीदरलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के रूप में अपग्रेड (उन्नत) किया है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हेग में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद रणनीतिक साझेदारी रोडमैप (2026-2030) पर मुहर लगी। इसका उद्देश्य व्यापार, तकनीकी और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इस ऐतिहासिक संयुक्त वक्तव्य में कई प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया गया है।

आवागमन और प्रवासन समझौता : भारत और नीदरलैंड के बीच पेशेवरों और छात्रों की सुगम आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवासन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

सेमीकंडक्टर और तकनीक : धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब के विकास के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और एएसएमएल के बीच साझेदारी हुई। इसके साथ ही क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) के आदान-प्रदान के लिए खान मंत्रालय ने भी करार किया है।

हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा : भारत और नीदरलैंड ने 'हरित हाइड्रोजन के विकास के लिए भारत-नीदरलैंड रोडमैप' लॉन्च किया। यह अक्षय ऊर्जा संक्रमण में सहयोग को गति देगा।

रिश्तों को मिली नई दिशा : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते की दिशा में हो रही प्रगति से दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड मिलकर नवाचार, टेक्नोलॉजी और आर्थिक विकास के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा कर सकते हैं।

वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति : भारत और नीदरलैंड के बीच वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति बनी। इससे भारतीय छात्रों, प्रोफेशनल्स और कामगारों को पढ़ाई और नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप और लंबी अवधि के वीजा में भी सहूलियत मिलेगी।

उच्च शिक्षा में सहयोग : नालंदा यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगेन साझेदारी भी हुई है। दोनों देशों के विश्वविद्यालय अब संयुक्त रिसर्च और डिग्री कार्यक्रम चला सकेंगे। भारतीय छात्रों और शिक्षकों को डच यूनिवर्सिटी में पढ़ाई और रिसर्च के नए मौके मिलेंगे।

भारत की औद्योगिक ताकत बढ़ेगी: क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग पर हुए अनुबंध से इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और हाईटेक उद्योगों के लिए जरूरी खनिजों की सप्लाई मजबूत होगी। इससे भारत की औद्योगिक ताकत बढ़ेगी। यही नहीं, भारत और नीदरलैंड ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात में मिलकर काम करेंगे। इससे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और रोजगार बढ़ेंगे। भारत यूरोप के ग्रीन एनर्जी बाजार में मजबूत जगह बना सकेगा। दोनों देश सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं में तकनीक और विशेषज्ञता साझा करेंगे।

नीति आयोग और नीदरलैंड : भारत के नीति आयोग के सहयोग से ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा और नई तकनीक पर संयुक्त परियोजनाएं चलाई जाएंगी। इससे निवेश और उद्योगों को फायदा मिलेगा।नीदरलैंड भारत के गुजरात की बड़ी जल परियोजना में तकनीकी मदद देगा। इससे पेयजल, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ सकती है।

त्रिपुरा के फूल दुनिया में महकेंगे : फ्लावर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, त्रिपुरा को नीदरलैंड सहयोग करेगा। इससे फूलों की खेती को आधुनिक तकनीक मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। बेंगलुरु में इंडो-डच डेयरी सेंटर को मदद करने का भी नीदरलैंड ने वादा किया है। इससे डेयरी किसानों और पशुपालन क्षेत्र को नई तकनीक और प्रशिक्षण मिलेगा। इससे दूध उत्पादन और गुणवत्ता सुधरेगी।

17 बड़े समझौते

प्रधानमंत्री मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच 17 बड़े समझौते हुए। इनका सर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा, खेती, सेहत, डेयरी, जल प्रबंधन और सांस्कृतिक विरासत जैसे क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। दोनों देशों ने कहा कि ये फैसले आने वाले समय में विकास, रोजगार, निवेश और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देंगे। इससे भारत को नई तकनीक, रोजगार और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। रक्षा, साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन पर भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

महंगाई, बेरोजगारी और पेपरलीक से जनता नाराज

भारत इस समय सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत चुनौतियों के ऐसे दौर से गुजर रहा है। जहां बेरोजगारी, महंगाई और पेपरलीक मामलों से युवाओं की बढ़ती निराशा गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हाल ही में सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी जिसमें बेरोजगारों को काकरोच जैसे शब्द से तुलना की गई उसको लेकर देशभर में मुख्य न्यायाधीश के बयान को लेकर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया, पत्रकारिता और सूचना के अधिकार से जुड़े युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस बयान को संवेदनहीन बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजनीतिक दल सामाजिक कार्यकर्ता एवं वकीलों ने भी इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह अलग बात है कि सीजेआई ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दे दिया है।

न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय स्तंभ है। उसके किसी भी वक्तव्य का समाज में व्यापक प्रभाव होता है। आज देश में करोड़ों की आबादी वाला बड़ा युवा वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार और नौकरी के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं की परेशानियों को बढ़ा दिया है। ऐसे माहौल में युवा अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाते हैं। उन्हें उपेक्षा या कठोर टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है। उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं होता है। स्वाभाविक रूप से इससे असंतोष बढ़ता है।

इतिहास गवाह है, जब किसी भी राष्ट्र में सामाजिक असमानता, आर्थिक संकट और संस्थागत असंवेदनशीलता बढ़ती है, ऐसी स्थिति में लोग अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष का वह सभी रास्ता चुन लेते हैं जो आमतौर पर आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में ही बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। अमेरिकन सिविल वार भी अमेरिका का केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था। अमेरिका में उस समय के आर्थिक और सामाजिक असंतुलन का परिणाम था। भारत की परिस्थितियों में जिस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उसकी सीधी तुलना अमेरिका के गृहयुद्ध से करना उचित नहीं है। लेकिन जिस तरह के हालात बन गए हैं उससे अवश्य हमें समझना चाहिए। लगातार बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आधुनिक बाजारवाद, महंगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा, महंगे खाद्य पदार्थों और नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक के कारण जिस तरह की सामाजिक निराशा देखने को मिल रही है, वह किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरे का सबसे बड़ा संकेत है। न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना भी है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

सिंधु जल संधि विवादः भारत "अवैध रूप से गठित" न्यायाधिकरण के फैसले को नहीं मानता

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को सिंधु जल संधि के तहत हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा जारी नवीनतम फैसले को दृढ़ता से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली न तो "अवैध रूप से गठित" न्यायाधिकरण को मान्यता देता है और न ही उसके किसी भी फैसले को कानूनी रूप से वैध मानता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला लागू रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय ने 15 मई को संधि की व्याख्या से संबंधित एक पूर्व फैसले के संदर्भ में "अधिकतम भार" के बारे में एक निर्णय जारी किया था। उन्होंने कहा कि भारत इस तथाकथित निर्णय को स्पष्ट रूप से खारिज करता है, ठीक उसी तरह जैसे उसने अवैध रूप से गठित सीओए के सभी पूर्व निर्णयों को दृढ़ता से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस तथाकथित संधि आयोग की स्थापना को कभी मान्यता नहीं दी है। इसके द्वारा जारी कोई भी कार्यवाही, निर्णय या फैसला अमान्य है। ये नई टिप्पणियां अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच आई हैं, जिसके बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की थी। विश्व बैंक की मध्यस्थता से संपन्न यह संधि दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल बंटवारे को नियंत्रित करती है।

देश में कहीं बरस रही आग, कहीं तेज आंधी और बिजली से लोग परेशान

नई दिल्ली। मई की तपती दोपहर और रात में भी बदन झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। देश के कई हिस्सों में लोग इस समय दोहरी मार झेल रहे हैं। कहीं आसमान से आग बरस रही है तो कहीं तेज आंधी और बिजली लोगों की चिंता बढ़ा रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वोत्तर समेत 19 राज्यों में तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सिर्फ राहत नहीं बल्कि खतरा है। खेतों में खड़ी फसल, सड़क पर चल रहे लोग और खुले इलाकों में मौजूद लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है। इस बार गर्मी और प्री-मानसून एक्टिविटी एक साथ असर दिखा रही है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में दिन में हीटवेव और शाम होते ही धूल भरी आंधी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य उत्तर प्रदेश और दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर उत्तर और पूर्व भारत के बड़े हिस्से में दिखाई देगा। पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिससे हिमालयी राज्यों में बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में तूफानी बारिश का कारण बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के तीसरे सप्ताह में यह सिस्टम और मजबूत होगा।

नीट पेपर लीक मामलाः आरोपी टीचर कोर्ट में पेश, 14 दिनों की सीबीआई कस्टडी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 से जुड़े कथित पेपर लीक मामले में जांच कर रही सीबीआई ने अदालत में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। मामले में गिरफ्तार 'पेपर-सेटिंग कमेटी' की सदस्य मनीषा मंधारे को अदालत में पेश किया गया, जहां जांच एजेंसी की दलीलों के बाद कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की सीबीआई कस्टडी में भेज दिया। सीबीआई के अनुसार मनीषा मंधारे परीक्षा के बॉटनी और जूलॉजी प्रश्नपत्रों के अनुवाद कार्य से जुड़ी थीं। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि इसी जिम्मेदारी के कारण उनकी पहुंच सीधे असली प्रश्नपत्रों तक थी। आरोप है कि उन्होंने इस गोपनीय व्यवस्था का दुरुपयोग करते हुए प्रश्नपत्र लीक करने में अहम भूमिका निभाई। जांच में यह भी सामने आया कि मंधारे अकेले काम नहीं

कर रही थीं। सीबीआई के मुताबिक, उन्होंने पीवी कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से इस साजिश को अंजाम दिया। एजेंसी ने दावा किया कि मंधारे ने प्रश्नपत्र शुभम नामक आरोपी को सौंपा, जिसने आगे इसे अन्य लोगों तक पहुंचाया। सीबीआई ने अदालत से कहा कि यह मामला केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार देश के कई प्रदेशों से जुड़े हुए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार विभिन्न राज्यों में एक साथ छापेमारी और पूछताछ जारी है।

अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी। नई दिल्ली

जल्द शुरू होगी वंदे भारत स्लीपर सेवा

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बेंगलुरु-मुंबई एक्सप्रेस रेल सेवा को आभासी माध्यम से हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि इससे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को मजबूती मिलेगी। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द शुरू की जाएगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दक्षिण और उत्तर कर्नाटक की लंबे समय से लंबित मांगों को अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में रेलवे के लिए बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कर्नाटक में रेल परियोजनाओं के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक के 61 रेलवे स्टेशनों का 2,160 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें से 9 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है। बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्टेशन का 485 करोड़ रुपये तथा यशवंतपुर स्टेशन का 367 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से कर्नाटक में लगभग 1,750 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं। हासन-मंगलुरु खंड में जटिल विद्युतीकरण कार्य भी पूरा कर लिया गया है और परीक्षण जारी है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु उपनगरीय रेल परियोजना के चारों गलियारों पर कार्य चल रहा है। बैयप्पनहल्ली-चिक्कबनावरा और हीलालिगे-राजनुकुंटे गलियारों में भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है तथा स्टेशनों का निर्माण कार्य जारी है। केएसआर बेंगलुरु-देवनहल्ली मार्ग को राज्य सरकार और रेलवे की संयुक्त मंजूरी मिल चुकी है और भू-तकनीकी सर्वेक्षण पूरा हो गया है। केंगेरी-व्हाइटफील्ड मार्ग को भी हाल में स्वीकृति मिली है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कर्नाटक में इस समय 12 जोड़ी वंदे भारत रेलगाड़ियां संचालित हो रही हैं। बेंगलुरु-मंगलुरु मार्ग पर परीक्षण चल रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों तक संपर्क और बेहतर होगा। बेंगलुरु को हैदराबाद और चेन्नई से जोड़ने वाले बुलेट रेल गलियारों को भी मंजूरी मिल चुकी है।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने कहा कि नई बेंगलुरु-मुंबई रेल सेवा देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक पर यात्रियों को बड़ी सुविधा देगी। थानिसंद्रा में 270 करोड़ रुपये की लागत से वंदे भारत स्लीपर अनुरक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा, जबकि एसएमवीटी बेंगलुरु में 52.73 करोड़ रुपये की लागत से चेयर कार अनुरक्षण सुविधा विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बैयप्पनहल्ली-होसुर दोहरीकरण, बेट्टाहलासुरु-राजनुकुंटे परियोजना तथा बेंगलुरु क्षेत्र में चौगुनीकरण कार्यों के जरिए रेल क्षमता बढ़ाई जा रही है।

180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों की अब तक नहीं हुई डिलीवरी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना में फाइटर स्क्वॉड्रन की कमी को पूरा करने के लिए एचएएल के साथ 180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों का कॉन्ट्रैक्ट किया गया था, लेकिन अब तक एक भी फाइटर एयरक्राफ्ट की डिलीवरी नहीं हुई है। रडार की परफॉर्मेंस और कुछ अन्य सिस्टम्स में सुधार के बाद हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को मई महीने में इंडियन एयरफोर्स के सामने रिव्यू के लिए प्रेजेंटेशन देना था, लेकिन यह बैठक नहीं हो सकी। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक यह रिव्यू बैठक अगले महीने तक के लिए टल गई है। अब जून में तेजस मार्क-1ए को लेकर अहम रिव्यू बैठक होने की संभावना है। वायुसेना के सूत्र पहले ही कई बार स्पष्ट कर चुके हैं कि नॉन-नेगोशिएबल ऑपरेशनल जरूरतों पर किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। हालांकि, कुछ समझौतावादी बिंदुओं पर एचएएल को सीमित राहत मिल सकती है। जून में होने वाली यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि इसमें तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी की संभावित तारीख तय हो सकती है। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, यदि कॉन्ट्रैक्ट के तहत तय मानकों में कुछ मामूली कमी रह जाती है तो उस पर विचार किया जा सकता है।

राजधानी एक्सप्रेस का एसी कोच बना आग का गोला

जयपुर। राजस्थान में आज सुबह तिरुवनंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12431) में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। कोटा रेल मंडल के लूनी रिछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशनों के बीच ट्रेन के बी-1 एसी कोच में अचानक आग लग गई। ट्रेन के डिब्बे से उठती तेज लपटों और धुएं को देखकर यात्रियों में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन तुरंत हरकत में आया। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अधिकारी और तकनीकी कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। तत्परता दिखाते हुए ट्रेन की बिजली सप्लाई को तुरंत

काट दिया गया, जिससे आग आगे नहीं फैल सकी। इसके साथ ही आग को पूरी ट्रेन में फैलने से रोकने के लिए प्रभावित बी-1 कोच को बाकी ट्रेन से अलग कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि कोच में सवार सभी 68 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस हादसे में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई है और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

पांच राज्यों में मकानों की गणना का फील्ड कार्य शुरू, 1.44 करोड़ से अधिक परिवारों ने की स्व-गणना

एजेंसी। नई दिल्ली

देशव्यापी जनगणना 2027 की दिशा के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) का फील्ड कार्य पांच प्रमुख राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू हो गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार इसमें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) क्षेत्र, राजस्थान, मेघालय, महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं। दूसरी ओर, डिजिटल जनगणना के तहत शुरू की गई स्व-गणना सुविधा को जनता की बेहतर प्रतिक्रिया मिल रही हैं और अब तक 25 राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में 1.44 करोड़ से अधिक परिवार अपनी स्व-गणना पूरी कर चुके हैं। आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव मे घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण किया जा रहा है। आज से गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पुडुचेरी में भी स्व-गणना की सुविधा शुरू हो गई है। इन क्षेत्रों के निवासी 31 मई 2026 तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से खुद को पंजीकृत कर सकते हैं। इसके बाद, यहां 1 जून से 30 जून 2026 तक फील्ड कार्य चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश में भी स्व-गणना की प्रक्रिया चालू है जो 21 मई तक चलेगी, जिसके तुरंत बाद 22 मई से 20 जून 2026 तक जमीनी स्तर पर मकान सूचीकरण का कार्य किया जाएगा। इससे पहले, 16 अप्रैल से 15 मई 2026 के बीच अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम के साथ-साथ दिल्ली के एनडीएमसी (नई दिल्ली नगरपालिका परिषद) तथा दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड क्षेत्रों में मकानसूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। इतिहास में पहली बार यह जनगणना पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों और मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग से की जा रही है। इस चरण में प्रगणक एक विशेष मोबाइल ऐप के जरिए डेटा एकत्र कर रहे हैं।

होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के लिए नया तंत्र लागू करने की तैयारी में ईरान, टोल वसूलने की योजना

एजेंसी। तेहरान

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को नियंत्रित करने की योजना का जल्द खुलासा करेगा। जिसमें इन जहाजों से टोल वसूलने का प्रस्ताव भी शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि ईरान को बुरे दौर का सामना करना पड़ेगा। जिसपर पलटवार करते हुए ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने कहा है कि दुनिया नई व्यवस्था की दहलीज पर खड़ी है। अल जजीरा और तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट में ईरान ने ताजा मंसूबों का खुलासा किया गया है। ईरान ने कहा है कि अब अमेरिकी हथियारों की खेप को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ़ ने कहा है कि तेहरान

होर्मुज पर अपने संप्रभुता के अधिकार को छोड़ कर पहले ऐसी गलती कर चुका है, अब दोबारा ऐसा नहीं होगा। ईरान ने देश की जनता को युद्ध और आर्थिक नुकसान के लिए तैयार रहने के लिए आगाह किया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि बातचीत पटरी से उतर चुकी है। ईरान अब अमेरिका के साथ सीधे सैन्य संघर्ष के लिए तैयार है। अराघची ने यह भी चेतावनी दी कि ईरान पर थोपे गए युद्ध का असर अमेरिकी परिवारों पर भी पड़ रहा है।

कजाकिस्तान ने मावनीय मदद भेजी : कजाकिस्तान ने ईरान को मानवीय मदद भेजी है। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति के आदेश पर भेजी गई इस खेप में डिब्बाबंद मांस, चीनी, आटा, मेडिकल उपकरण और दवाएं शामिल है। यह मदद सरख्स रेलवे स्टेशन पर ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई। ईरान में कजाकिस्तान के राजदूत ओंटालप ओनालबायेव ने कहा कि ईरान कजाकिस्तान का महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय साझेदार है। यह मदद ऐसे समय में भेजी गई है जब ईरान गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है। ईरान के आधिकारिक सांख्यिकी केंद्र के अनुसार, युद्ध से जुड़ी बाधाओं के कारण सालाना महंगाई बढ़कर लगभग 53.7 प्रतिशत हो गई है। पिछले साल की तुलना में खाने-पीने की चीजों की कीमतें 115 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

सीएनजी कीमतों में फिर एक रुपए की बढ़ोतरी, दिल्ली में 80.09 रुपये प्रति किलो

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में तीन दिन के भीतर दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी एक रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 80.09 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 15 मई को गैस कंपनियों ने सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की थी। लगातार दूसरी बढ़ोतरी के साथ तीन दिनों में सीएनजी कुल तीन रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो चुकी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा जारी नई दरों के अनुसार नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 88.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, मुंबई में सीएनजी लगभग 84 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी तीन रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई थी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास ख़बर

राहुल गांधी ने नीट-यूजी पेपर लीक पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा पत्र लीक मामले को लेकर सियासी विवाद लगातार गहराता जा रहा है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर निशाना साधते हुए उनका इस्तीफा मांगा है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2024 और 2026 दोनों में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ लेकिन शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि हर बार जांच एजेंसियों और समितियों के गठन के बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं हो पा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि वर्ष 2024 में नीट परीक्षा पत्र लीक हुआ था, परीक्षा रद्द नहीं हुई, मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया और मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी गई थी। वर्ष 2026 में भी परीक्षा पत्र लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी, फिर से सीबीआई जांच कर रही है और एक अन्य समिति गठित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं, इस मुद्दे पर सरकार चुप क्यों है और लगातार विफल हो रहे शिक्षा मंत्री को पद से क्यों नहीं हटाया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी। परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी। जांच एजेंसी ने मामले में अब तक कई आरोपितों की गिरफ्तारी की है। जांच में प्रश्नपत्र लीक, अभ्यर्थियों से धन वसूली और विशेष कोचिंग सत्रों के माध्यम से प्रश्न उपलब्ध कराने जैसे आरोपों की पड़ताल की जा रही है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने कहा कि पुनर्परीक्षा की नई तिथियों और प्रवेश पत्र संबंधी जानकारी शीघ्र आधिकारिक माध्यमों से जारी की जाएगी। एजेंसी के अनुसार पहले से किया गया पंजीकरण, अभ्यर्थियों का विवरण और चयनित परीक्षा केंद्र पुनर्परीक्षा के लिए मान्य रहेंगे।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने नवनिर्मित बाल्मीकि बस्ती चौपाल का उद्घाटन किया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज घिटोरनी गांव में नव-निर्मित बाल्मीकि बस्ती चौपाल का उद्घाटन किया। उन्होंने ने कहा कि यह चौपाल सामाजिक समरसता, जनसुविधाओं और स्थानीय नागरिकों के संवाद का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब मेरे पिताजी डॉ. साहिब सिंह जी दिल्ली के मुख्यमंत्री थे, तब दिल्ली देहात में विकास कार्यों की एक नई धारा शुरू हुई थी। आज 27 वर्षों बाद दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के साथ ही पुनः विकास और जनकल्याण के कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली के गांव, देहात और हर वर्ग के विकास के संकल्प को भाजपा सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रही है। इस अवसर पर सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, विधायक करतार सिंह तंवर, निगम पार्षद सुंदर तंवर, शिखा त्यागी, मंडल अध्यक्ष ज्योति, आलोक, रविन्द्र मलिक सहित अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक मामले में एक और आरोपित मनीषा मंधारे को 14 दिनों की सीबीआई हिरासत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार एक और आरोपित मनीषा मंधारेको 14 दिनों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया है। स्पेशल जज कोलेट रश्मि कुजूर ने 14 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया। नीट पेपर लीक मामले में मनीषा मंधारे नौवीं आरोपित हैं। मनीषा मंधारे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से प्रश्न पत्र सेट करने वाले पैनल में थी। मनीषा को उत्तर प्रदेश में मथुरा के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। मनीषा मंधारे पर आरोप है कि उसने नीट पेपर प्रश्न पत्र को लीक करने के लिए केमिस्ट्री टीचर पीवी राव और मनीषा वाघमारे के साथ साजिश रची। पीवी राव और मनीषा वाघमारे को कोर्ट ने 16 मई को 10 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था। इसके पहले कोर्ट ने 15 मई को धनंजय लोखंडे को 6 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था। आरोप है कि मनीषा वाघमारे ने धनंजय लोखंडे को नीट के प्रश्न पत्र दिए। बाद में धनंजय लोखंडे ने शुभम खैरवार को प्रश्नपत्र दिए। कोर्ट ने 14 मई को पांच आरोपियों को सात दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था । 14 मई को कोर्ट ने जिन पांच आरोपियों को सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया था उनमें नासिक के शुभम खैरनार, जयपुर के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल और गुरुग्राम से यश यादव शामिल हैं। शुभम खैरनार को 13 मई को मुंबई से गिरफ्तार किया गया था जहां से उसे दो दिनों की ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया था। शुभम खैरनार महाराष्ट्र के नासिक का रहने वाला है। सीबीआई के मुताबिक 3 मई को नीट की परीक्षा के पहले ही प्रश्न पत्र पीडीएफ फॉर्मेट में व्हाट्सऐप और टेलिग्राम के जरिये सर्कुलेट कर दिया गया। इस मामले में एनटीए के उच्च शिक्षा विभाग के डायरेक्टर वरुण भारद्वाज की शिकायत पर सीबीआई ने 12 मई को एफआईआर दर्ज किया था।सीबीआई के मुताबिक अप्रैल में नासिक के शुभम ने यश यादव से संपर्क कर कहा हि मांगीलाल ने उससे संपर्क कर अपने बेटे के नीट की परीक्षा के लिए 10-12 लाख रुप में प्रश्न पत्र अरेंज करने को कहा। 29 अप्रैल को यश यादव ने फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के प्रश्न पत्र टेलीग्राम के जरिये पीडीएफ फॉर्मेट में उपलब्ध कराया। मांगीलाल ने प्रश्न पत्र हासिल करने के बाद उसके प्रिंट लेकर अपने बेटे अमन बिवाल, संबंधियों और दूसरे जानने वालों को उपलब्ध कराया। बता दें कि, 3 मई को हुई नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के आरोपों के बाद इस परीक्षा को निरस्त कर दिया गया। केंद्र सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

महिला स्टार्टअप्स को 10 करोड़ तक का कोलैटरल-फ्री लोन,गारंटी सरकार कीः रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कर रही है। इसी दिशा में सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप्स के लिए 10 करोड़ रुपये तक के कोलैटरल-फ्री लोन (बिना गिरवी ऋण) की व्यवस्था की है, जिसकी गारंटी स्वयं दिल्ली सरकार लेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार अब मॉल और बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों में स्वदेशी उत्पादों के लिए नियमित रूप से उचित मंच उपलब्ध कराएगी, जहां स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके।मुख्यमंत्री ने शनिवार शाम उत्तर पश्चिम दिल्ली स्थित यूनिटी वन मॉल, रोहिणी वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास आयोजित दो दिवसीय 'मेगा सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) मेला-2026' के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार 'स्वदेशी अपनाओ', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' का विजन देश के सामने रख रहे हैं। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए यह मेला महिलाओं द्वारा तैयार स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने और उन्हें बाजार से जोड़ने का सशक्त प्रयास है। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक कुलवंत राणा, उत्तर पश्चिम जिला की डीएम सौम्या सौरभ, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं उपस्थित थीं। मेले का आयोजन उत्तर पश्चिम जिला प्रशासन द्वारा किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की महिलाएं घरों में रहकर छोटे-छोटे उद्योगों और हस्तनिर्मित उत्पादों के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही हैं। अक्सर लोग विदेशी ब्रांडों के पीछे भागते हैं, जबकि भारत में बने हस्तशिल्प, खादी, घरेलू उत्पाद और हस्तनिर्मित वस्तुएं गुणवत्ता में किसी से कम नहीं हैं। जरूरत केवल उनकी बेहतर ब्रांडिंग और मार्केटिंग की है। उन्होंने कहा कि आज भारत रक्षा, अंतरिक्ष, कृषि और विनिर्माण सहित हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारतीय उत्पाद दुनिया भर में निर्यात हो रहे हैं। ऐसे में महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे घरेलू और हस्तनिर्मित उत्पादों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से विदेशी वस्तुओं के बजाय स्थानीय और स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की अपील।मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार चाहती है कि राजधानी की प्रत्येक महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़े, अपना उत्पाद तैयार करे और उसे बाजार तक पहुंचाए। सरकार बैंकों के माध्यम से महिलाओं को आसान ऋण उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही है। इस मेले में विभिन्न बैंकों को भी शामिल किया गया, ताकि स्वयं सहायता समूहों की बैंकिंग और वित्तीय पहुंच मजबूत हो सके। मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप्स के लिए 10 करोड़ रुपये तक के कोलैटरल-फ्री लोन (बिना गिरवी ऋण) की व्यवस्था की है, जिसकी गारंटी स्वयं दिल्ली सरकार ले रही है। इस मेगा मेले में लगभग 24 स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया। मेले में हस्तशिल्प, क्रोशिया कार्य, खादी, घरेलू उत्पाद, खाद्य सामग्री और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई। उत्तर पश्चिम जिले के 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' के तहत हस्तशिल्प को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया।

निजी वाहनों के बजाय मेट्रो को बढ़ावा देने के लिए डीएमआरसी का बड़ा कदम, सोमवार से चलेंगी 24 अतिरिक्त ट्रेन फेरे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बढ़ते ट्रैफिक, ईंधन की खपत और प्रदूषण की चुनौती के बीच दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने लोगों को निजी वाहनों के बजाय मेट्रो अपनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। डीएमआरसी ने घोषणा की है कि 18 मई से प्रत्येक सोमवार को छह अतिरिक्त ट्रेनों के जरिये 24 अतिरिक्त ट्रेन फेरे चलाए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर अन्य दिनों में भी अतिरिक्त सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डीएमआरसी के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में सड़क परिवहन से मेट्रो की ओर यात्रियों का रुझान बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष तैयारी की गई है। अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, अधिक टिकट काउंटरों का संचालन, अतिरिक्त डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्कैनर सक्रिय किए जाएंगे। इसके साथ ही फ्रिस्किंग प्वाइंट्स पर प्रतीक्षा समय कम करने और व्यस्त समय में यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा। डीएमआरसी ने कहा कि दिल्ली मेट्रो अब दिल्ली-एनसीआर की प्रमुख परिवहन लाइफलाइन बन चुकी है। मेट्रो नेटवर्क रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी, एयरपोर्ट, नमो भारत आरआरटीएस, नोएडा मेट्रो और गुरुग्राम रैपिड मेट्रो से सीधे जुड़कर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है। इससे निजी वाहनों और पेट्रोलियम आधारित परिवहन पर निर्भरता कम हो रही है।चांदनी चौक, कनॉट प्लेस, साइबर सिटी, प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन स्थलों तक तेज और सुरक्षित पहुंच भी मेट्रो के जरिये संभव हो रही है। यात्रियों की एंड-टू-एंड यात्रा को आसान बनाने के लिए 160 मेट्रो स्टेशनों पर लास्ट माइल कनेक्टिविटी की सुविधा विकसित की गई है। इसमें ई-रिक्शा, ई-ऑटो, बाइक टैक्सी, कैब और साइकिल किराया सेवाएं शामिल हैं। डीएमआरसी सारथी ऐप के माध्यम से यात्री एक ही प्लेटफॉर्म पर मेट्रो टिकट, ऑटो और बाइक टैक्सी बुक कर सकते हैं। हाल ही में डीएमआरसी ने आईओसीएल के सहयोग से सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में हाइड्रोजन आधारित बस सेवा भी शुरू की है। वहीं, डीटीसी की करीब 1500 देवी बसें 52 मेट्रो स्टेशनों से अंतिम मील संपर्क उपलब्ध करा रही हैं।इसके अलावा, 126 मेट्रो स्टेशनों पर पार्क एंड राइड सुविधा उपलब्ध है ताकि लोग अपने वाहन पार्क कर आगे की यात्रा मेट्रो से कर सकें। डिजिटल टिकट को बढ़ावा देने के लिए क्यूआर कोड टिकटिंग, एनसीएमसी कार्ड, व्हाट्सएप टिकटिंग, पेटीएम, फोनपे, अमेजन और आईआरसीटीसी इंटीग्रेशन जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं।डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा कि संस्था सतत शहरी परिवहन, ईंधन बचत और यात्रियों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक सफर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

फिट इंडिया 'संडेज ऑन साइकिल' के 74वें संस्करण में देशभर में उमड़ा उत्साह

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 74वें संस्करण में रविवार को देश भर में पांच हजार से अधिक स्थानों पर 50 हजार लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस बार का आयोजन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और सीमा शुल्क विभाग के साथ किया गया। नई दिल्ली में यह कार्यक्रम जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहां 800 से अधिक लोग शामिल हुए।ार्यक्रम में जीएसटी और सीमा शुल्क विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ सभी आयु वर्ग के आम नागरिक भी शामिल थे। यहां एक 'फन स्पोर्ट्स जोन' भी बनाया गया, जिसने लोगों को बैडमिंटन, शतरंज, कैरम और लूडो जैसे खेलों को आजमाने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, नींबू दौड़ (लेमन रेस), बॉल गेम, रस्साकशी (टग ऑफ वॉर), स्क्वैट चैलेंज और पुश-अप चैलेंज जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इस पहल के बारे में बात करते हुए दिल्ली सीमा शुल्क विभाग के मुख्य आयुक्त मनीष कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के आह्वान के बाद जीएसटी और सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने 'फिट इंडिया' आंदोलन में हिस्सा लिया है। हम सभी जानते हैं कि स्वास्थ्य ही हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। यदि आप स्वस्थ हैं, तो आप अपने कार्यों को ठीक ढंग से पूरा कर पाएंगे।जीएसटी के अतिरिक्त निदेशक और फिंट इंडिया के ब्रांड एम्बेसडर नरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि साइकिल चलाना वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमारा फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल का नियमित कार्यक्रम है। चूंकि मैं फिंट इंडिया का ब्रांड एम्बेसडर हूं, इसलिए हम हर रविवार को पूरे देश में साइकिल चलाने का कार्यक्रम आयोजित करते हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से अपील की है, साइकिल चलाना न केवल हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह हमें ईंधन बचाने में भी मदद कर रहा है।

गंगा एक्रोवूल्स लिमिटेड ने लॉन्च किया 'प्रीमियम हैंड निटिंग यार्न्स कलेक्शन 2026', भारत की बढ़ती हैंडमेड क्राफ्ट अर्थव्यवस्था को दिया नया मंच

» युवा पीढ़ी (जेन ज़ी) की अगुवाई में बढ़ते क्राफ्ट ट्रेंड के साथ उद्यमिता और शिल्पकार समुदायों के लिए नए अवसर

» डिजाइनरों, खरीदारों, उद्यमियों और शिल्पकार समुदायों को एक साथ लाने वाला विशेष आयोजन

लोकतंत्र की शान

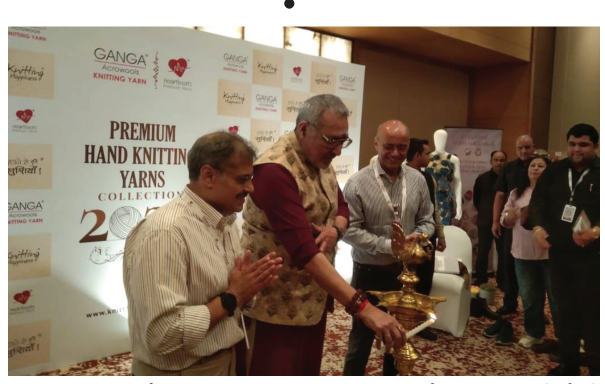

नई दिल्ली : गंगा एक्रोवूल्स लिमिटेड (जीएएल), जो भारत और दुनिया की अग्रणी क्राफ्ट यार्न निर्माता कंपनी है, जिसका वार्षिक टर्नओवर 850 करोड़ है और जिसके उत्पाद 60 से अधिक देशों में निर्यात होते हैं, ने आज ले मेरिडियन, नई दिल्ली में 'प्रीमियम हैंड निटिंग यार्न्स कलेक्शन 2026' का आयोजन किया। यह आयोजन 'हार्टबीट्स प्रीमियम यार्न्स' के सहयोग से किया गया। इस पहल के तहत आयोजित यह विशेष प्रदर्शनी दिल्ली और एनसीआर के डिस्ट्रीब्यूटर्स, रिटेलर्स, डिजाइनरों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), समुदायों और बुटीक उद्यमियों के लिए एक व्यावसायिक (B2B) मंच था। इसका उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती प्रीमियम हैंडमेड क्राफ्ट इकॉनमी को प्रोत्साहित करना था। इस शो में भारतीय बाजार के लिए नए और अभिनव यार्न पेश किए गए, साथ ही निर्यात किए जाने वाले उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया ताकि उन पर प्रतिक्रिया प्राप्त की जा सके। कंपनी के पास वैश्विक बाजार के लिए 900 से अधिक प्रकार के यार्न और 15,000 से अधिक उत्पाद किस्में (SKUs) हैं, जिनमें से भारत में 110 प्रकार के यार्न और 3,500 से अधिक उत्पाद किस्में उपलब्ध हैं। कंपनी की डिजाइन टीम ने इन धागों से तैयार परिधान और सामग्रियां भी प्रदर्शित कीं।

अमित थापर, प्रेसिडेंट, गंगा एक्रोवूल्स लिमिटेड ने कहा– "भारतीय बुनाई और क्रोशे बाजार तेजी से पारंपरिक सर्दियों के कपड़ों से आगे बढ़कर गृह सज्जा , उपहार देने, बुटीक फैशन और डिजाइनर सहयोग जैसे क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है। क्रोशे और बुनाई अब उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप), डिजाइन नवाचार और स्व-रोजगार का माध्यम बनते जा रहे हैं। भारत प्रीमियम यार्न सेगमेंट के लिए सबसे बड़े अवसरों में से एक है। हमारा उद्देश्य सिर्फ उत्पाद बेचना नहीं, बल्कि एक ऐसा तालमेल तैयार करना है जो रचनाकारों, खुदरा विक्रेताओं, शिल्पकारों और स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाए।" कंपनी का लक्ष्य केवल धागा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि इस सदियों पुराने शौक को आगे बढ़ाना है। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीवित कलाओं में से एक है, जिसका इतिहास इजिप्शियन ममीज़ के समय तक जाता है। जो कला कभी पुरानी पीढ़ी का एक मौसमी शौक मानी जाती थी, आज उसी क्रोशे और बुनाई को युवा पीढ़ी (जेन ज़ी) द्वारा बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। स्लो-फैशन, सोशल मीडिया के चलन और मशहूर हस्तियों के प्रभाव के कारण यह तेजी से उद्यमिता और स्व-रोजगार का जरिया बन रहा है। कंपनी के सीधे ग्राहकों से जुड़े व्यापार में पिछले तीन वर्षों में पांच गुना वृद्धि हुई है, जो घरेलू मांग में तेजी को दर्शाती है। इस आयोजन का मुख्य विषय 'हाथ से बनी चीजों की खुशी' को दर्शाना है। कार्यक्रम की एक और विशेषता इसका 'सामुदायिक विकास' पर ध्यान केंद्रित करना था। गंगा एक्रोवूल्स स्वयंसेवी संस्थाओं और स्वयं सहायता समूहों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है ताकि महिला शिल्पकारों को प्रशिक्षण दिया जा सके। कंपनी भारत के लाखों स्वयं सहायता समूहों के नेटवर्क का लाभ उठाकर महिला शिल्पकारों को सशक्त बना रही है। इस क्षेत्र में अपने विश्वास को मजबूत करते हुए, कंपनी ने पंजाब में मैन्युफैक्चरिंग एक्सपैंशन के लिए 750 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। यह राशि पहले घोषित 301 करोड़ से बढ़ाई गई है, जिसमें से 400 करोड़ का निवेश पहले ही किया जा चुका है।

जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार परियोजना पर राजनाथ सिंह को लिखा पत्र, वैकल्पिक रक्षा ढांचे पर विचार की मांग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखा है। उन्होंने इसमें कहा कि इस परियोजना को राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर उचित ठहराने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि इसके मौजूदा स्वरूप से बड़े स्तर पर पारिस्थितिक क्षति होने की आशंका है। पत्र में कहा गया कि उन्होंने इससे पहले 10 मई को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को तथा 13 मई को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भी पत्र लिखकर परियोजना से जुड़े पर्यावरणीय और वन अधिकार अधिनियम संबंधी मुद्दे उठाए थे। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और भारत की सामरिक शक्ति को विश्वसनीय रूप से प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर कोई मतभेद नहीं हो सकता, लेकिन इसके नाम पर ऐसी परियोजना को आगे बढ़ाना उचित नहीं है, जिससे व्यापक पर्यावरणीय नुकसान हो।पत्र में जयराम रमेश ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल बे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई 2012 में कमीशन किया गया था, लेकिन मौजूदा रनवे की लंबाई को तीन गुना बढ़ाने और नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं पिछले लगभग पांच वर्षों से मंजूरी की प्रतीक्षा कर रही हैं। इन योजनाओं का पर्यावरण पर प्रभाव भी मौजूदा ग्रेट निकोबार परियोजना की तुलना में काफी कम होगा। उन्होंने कहा कि अंडमान एवं निकोबार कमांड की कई मौजूदा सैन्य परिसंपत्तियों का विस्तार भी अपेक्षाकृत कम पर्यावरणीय क्षति के साथ किया जा सकता है। इनमें आईएनएस कार्दीप, आईएनएस कोहासा, आईएनएस उत्क्रोश, आईएनएस जरावा और कार निकोबार वायुसेना स्टेशन शामिल हैं।जयराम रमेश ने कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना के तहत प्रस्तावित ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह और टाउनशिप देश की सैन्य क्षमता को किसी प्रकार नहीं बढ़ाते, लेकिन अब इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर उचित ठहराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना अपने वर्तमान स्वरूप में पारिस्थितिक तबाही का नुस्खा है। उन्होंने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि वे उन वैकल्पिक प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार करें, जिनका सुझाव कुछ प्रतिष्ठित नौसेना अधिकारियों ने भी अपने लेखों और विश्लेषणों में दिया है।उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, हवाई अड्डा, ऊर्जा संयंत्र और टाउनशिप सहित कई बड़े आधारभूत ढांचा विकास कार्य प्रस्तावित हैं। परियोजना को लेकर पर्यावरणविदों, सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों की ओर से लगातार आपत्तियां जताई जा रही हैं।

दिल्ली में सजी "कृष्णावतरम भाग 1 - हृदय हृदयम् की दिव्य संध्या, दर्शकों से मिल रहा अपार प्रेम

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : नई दिल्ली में हिंदी फिल्म कृष्णावतरम भाग 1 - हृदय हृदयम् का एक भव्य स्पेशल स्क्रीनिंग शो आयोजित किया गया, जहां राजनीति, प्रशासन, कला और समाज जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने फिल्म का आनंद लिया। पूरा माहौल श्री कृष्ण भक्ति और भारतीय संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में प्रवेश करते ही "राधे-राधे" और "जय श्री कृष्णा" के मधुर भजन वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रहे थे। पूरे ऑडिटोरियम को कनेर के सुंदर फूलों से सजाया गया था, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो दर्शक किसी दिव्य उत्सव का हिस्सा बन गए हों। फिल्म के कई भावुक और भक्ति से भरे दृश्यों पर दर्शकों ने तालियों और जयघोष के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। फिल्म में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभा रहे देहरादून के रहने वाले सिद्धार्थ गुप्ता ने अपने प्रभावशाली अभिनय से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं सत्यभामा के किरदार में संस्कृती जयना बेहद आकर्षक और प्रभावशाली नजर आईं। फिल्म के निर्माता सज्जन राज कुरुप ने सभी मेहमानों और मीडिया से मुलाकात कर फिल्म के निर्माण के पीछे की भावना साझा की।

मीडिया से बातचीत करते हुए सज्जन राज कुरुप ने कहा कि कृष्णावतरम भाग 1 - हृदय हृदयम्- को देशभर से भरपूर प्यार मिल रहा है और फिल्म अब सफलतापूर्वक दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की और इसे उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित किया, जो पूरी टीम के लिए गर्व और आशीर्वाद जैसा है। उन्होंने आगे बताया कि देश के कई बड़े संतों और महामंडलेश्वरों ने फिल्म के ट्रेलर को देखकर अपना आशीर्वाद दिया है, जिनमें श्री प्रेमानंद महाराज, श्री कैलाशानंद गिरि महाराज, श्री बालकानंद गिरि महाराज और श्री श्री रवि शंकर जैसे प्रतिष्ठित आध्यात्मिक गुरु शामिल हैं। सज्जन राज कुरुप ने यह भी बताया कि श्री प्रेमानंद महाराज ने फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद 1100 रुपये देकर पूरी टीम को अपना विशेष आशीर्वाद प्रदान किया, जिसे फिल्म की सफलता का शुभ संकेत माना जा रहा है। सज्जन राज कुरुप ने कहा, "भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं अपरंपार हैं। यह फिल्म केवल एक सिनेमा नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, श्रद्धा और भावनाओं का उत्सव है। दर्शकों और संत समाज से मिल रहा प्यार हमारे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है।" उन्होंने यह भी खुलासा किया कि फिल्म के दूसरे भाग की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और जल्द ही कृष्णावतरम भाग 1 - हृदय हृदयम् की शूटिंग प्रारंभ की जाएगी। इस घोषणा के बाद दर्शकों और कृष्ण भक्तों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में नान जेड ऐ जमीनों पर हो रही प्लाटिंग रुकवाय प्रशासन उस्मान

किसान यूनियन ने तहसील सदर में प्रदर्शन कर सोपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश /जनपद रामपुर में पूर्व निर्धारित कार्य क्रम के अंतर्गत किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा के नेतृत्व में तहसील सदर परिसर में एकत्रित हुए और विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करने के बाद तहसील दिवस की अध्यक्षता कर रहे हैं उप जिलाअधिकारी कुमार गौरव को 6 सूत्रीय ज्ञापन सोफा ज्ञापन में ग्राम बमनपुरी में नान जेड ए जमीनों पर की जा रही प्लाटिंग रोकने बीना मंडी शुल्क जमा किए अन्य जनपदों से आने वाली लकड़ी की बिक्री रोकने आदि मांगे शामिल हैं इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव उस्मान अली पाशा ने कहा जहां एक ओर सरकार और जिला प्रशासन अवैध प्लाटिंग रोकने के लिए प्रयास कर रहा है वही रामपुर विकास प्राधिकरण और तहसील सदर के कर्मचारियों की मिली भगत से ग्राम बमनपुरी में खुलेआम नान जेड ऐ जमीनों पर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही है जब कभी शिकायत की जाती है तो रामपुर विकास प्राधिकरण किसी गरीब का आधा बना मकान तोड़कर खाना पूर्ति कर देता है जबकि अन्य प्लाटिंग इसी तरह चलती रहती है उन्होंने आगे कहा रामपुर शहर और उसके आसपास जितनी भी प्लाईवुड फैक्ट्रियां हैं उनमें से ज्यादातर अन्य जनपदों से बीना मंडी शुल्क जमा किए पॉपुलर वायु के लिप्टिस की लकड़ी मंगा कर प्लाई आदि बनाते हैं जबकि यहां के किसानों की लकड़ी ओने पोने दामों पर बिकती है उन्होंने चेतावनी दी यदि एक सप्ताह में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसान यूनियन जिला स्तर पर आंदोलन करेगी इस अवसर पर मोहम्मद फरमान जकी अहमद चमन बेगम हाजी रिजवान मोहम्मद शोएब सोहेल जबर सिंह नरेश कुमार अतुल कुमार मजहर अली खान बबलू आदि लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया शनि जयंती महोत्सव

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः शनिवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर परिसर में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी शनि जयंती महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, सर्वप्रथम भक्तों द्वारा शनि जयंती पर हवन का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुति लगाकर सुख समृद्धि की कामना की, वही पंडित महेश शर्मा द्वारा विधि विधान के अनुसार हवन पूजन कराया गया तथा आरती के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया, बता दें कि ज्येष्ठ अमावस्या पर प्रत्येक वर्ष भगवान शनि देव जी की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाती है, इस संबंध में पंडित महेश शर्मा ने बताया कि शनि देव जी की जयंती पर शनि देव को तिल, तेल, लोह, उड़द, मिष्ठान, वस्त्र आदि अर्पण करने चाहिए इससे मानव जीवन में सुख समृद्धि की वृद्धि होती है, उन्होंने बताया कि शनि देव न्याय के देवता है शनि जयंती पर सच्चे मन से पूजा करने और गरीबों की सेवा करने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है, मान्यता है कि आज ही के दिन सूर्यपुत्र शनिदेव का जन्म हुआ था शनि जयंती पर दान पुण्य और सेवा का विशेष महत्व है, वही शनि जयंती पर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, मुकेश गोयल आदि ने भगवान शनि देव की आरती उतारी एवं आशीर्वाद प्राप्त किया, इस मौके पर मुकेश गोयल, प्रदीप अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, रिशु अग्रवाल, प्रतीक गोयल, सचिन अग्रवाल, पंडित देवेंद्र शास्त्री, सतवीर गिरी, पप्पू गिरी, उमेश शर्मा, संजीव शर्मा, दामोदर शर्मा आदि सहित भारी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे I

बीजेपी जन कल्याण मंच ने जिला स्तर पर की पदाधिकारीयो की नियुक्ति

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः रविवार को बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी के रहरा रोड स्थित कैंप कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की एक विशेष बैठक आयोजित की गई जिसमें जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने जिला स्तर पर दर्जनों पदाधिकारीयो को नियुक्ति पत्र सौपे, इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी जन कल्याण मंच का उद्देश्य भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याण कारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचना है तथा आगामी 2027 के चुनाव में फिर से उत्तर प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी है, वही पत्रकारों द्वारा पूछे गए विधानसभा सर्वे को लेकर उन्होंने कहा जनता सर्वोपरि है जनता जिसे चाहेगी सर्वे में उसे आगे रखेगी, पार्टी नेतृत्व जिसे विधानसभा का टिकट देगा तथा हमारा संगठन तन मन धन से भाजपा के घोषित प्रत्याशी को ही 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ाएगा, इस मौके पर नियुक्त किए गए लोगों में जिला महामंत्री पद पर मनु कुमार लोहिया, आशू कुमार चौहान तथा जिला सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में रवि कुमार एवं जिला मंत्री अनिल कुमार सैनी, जिला मंत्री अनुसूचित मोर्चा प्रशांत जाटव, विधानसभा मंत्री सुनील खड़कवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर जगत सिंह खड़कवंशी, विधानसभा उपाध्यक्ष राजा वाल्मीकि, दीपक अग्रवाल नगर उपाध्यक्ष हसनपुर, उमेश कुमार तहसील मंत्री हसनपुर तथा बैठक में चमन कसाना, कलुवा खड़कवंशी, सीमा यादव, जगत सिंह प्रजापति, अनिल सैनी, गेंदा सिंह, दिनेश लोहिया, अमित चौहान, अमन चौहान, अनुज चौधरी, कविंद्र चौहान आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे I

शाहाबाद में कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जे की कोशिश, जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

लोकतंत्र की शान , मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/ तहसील शाहाबाद क्षेत्र में कब्रिस्तान की जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध कब्जा करने की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कब्रिस्तान की भूमि पर कब्जा कराने में संबंधित लेखपाल मनोज यादव की मिलीभगत भी बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि भूमाफिया कब्रिस्तान की जमीन पर जबरन कब्जा कर निर्माण कराने की योजना बना रहे हैं, जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी रोष व्याप्त है। मामले को गंभीर बताते हुए कब्रिस्तान कमेटी एवं समस्त मोहल्लावासियों की ओर से जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई है। कब्रिस्तान कमेटी के लोगों का कहना है कि कब्रिस्तान मुस्लिम समाज की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है और इस जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और कब्रिस्तान की जमीन को सुरक्षित कराया जाए। मोहल्लावासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कब्जे की कोशिश को नहीं रोका गया तो क्षेत्र में बड़ा विवाद उत्पन्न हो सकता है। लोगों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर लेखपाल सहित दोषियों पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल प्रार्थना पत्र मिलने के बाद प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच कराए जाने की बात कही जा रही है।

13 किलो अफीम के साथ झारखंड के दो तस्कर गिरफ्तार

» बरेली पुलिस और ANTF की संयुक्त कार्रवाई, 65 लाख की अफीम बरामद

» झारखंड से उत्तराखंड तक फैला था नेटवर्क, कई राज्यों में सप्लाई की आशंका

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा)<जनपद बरेली में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना देवरनियां पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) बरेली यूनिट की संयुक्त टीम ने अंतरराज्यीय अफीम तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए झारखंड के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 13 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 65 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 16 मई 2026 की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि झारखंड से अफीम लेकर दो तस्कर उत्तराखंड की ओर जा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना देवरनियां पुलिस और ANTF की टीम ने नैनीताल हाईवे पर बिछपुरी क्षेत्र में घेराबंदी शुरू कर दी। रात करीब 9 बजकर 24 मिनट पर पुलिस ने संदिग्धों को रोककर तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में अवैध अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विशाल कुमार पुत्र विजय रजक निवासी ग्राम बरिसाखी थाना गिद्धौर जिला चतरा झारखंड तथा अजय कुमार पुत्र सुरेंद्र रविदास निवासी ग्राम तेतरिया थाना पत्थलगड़ा जिला चतरा झारखंड के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान विशाल कुमार के पास से 7 किलो और अजय कुमार के पास से 6 किलो अफीम बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी कब्जे में लिए हैं, जिनकी कॉल डिटेल और संपर्क सूत्रों की जांच की जा रही है। इस मामले में थाना देवरनियां में मुकदमा संख्या 187/26 धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे आर्थिक तंगी के कारण झारखंड से अफीम लाकर उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों में सप्लाई करते थे। आरोपियों ने यह भी कबूला कि वे पहले भी कई बार इस तरह की तस्करी कर चुके हैं। पुलिस को आशंका है कि इस गिरोह के तार कई राज्यों तक जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बरामद मोबाइल फोन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी, ANTF यूनिट के उपनिरीक्षक विकास यादव, उपनिरीक्षक पुष्पेंद्र शर्मा तथा कांस्टेबल शिवम कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

AIMIM पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष ने विभिन्न ग्रामों में ग्राम अध्यक्ष किए नियुक्त

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को एआइएमआइएम पार्टी के हसनपुर विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के निर्देश पर शहर शहर गांव गांव से बूथ तक, पांव पांव से विधानसभा तक ग्राम कमेटियों का विस्तार करते हुए ग्राम नवाबपुरा खादर में शमशाद अली को ग्राम अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई तथा मोहम्मद रमजानी को ब्लॉक सचिव की जिम्मेदारी दी गई एवं ग्राम गंगेश्वरी में विभिन्न लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई, इस मौके पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष छुन्नन अल्वी ने कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश में बिना एआइएमआइएम पार्टी के समर्थन के कोई सरकार नहीं बन पाएगी उन्होंने कहा कि हमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी साहब के हाथों को मजबूत करना है और विधान सभा से पार्टी के घोषित प्रत्याशी को भारी मतों से जिताकर विधानसभा भेजना होगा वहीं उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया, साथ ही 2027 के चुनाव में तन मन धन से अभी से उतर जाने की अपील की, इस मौके पर शमशुल सैफी इकबाल मलिक, शाकिर मलिक, जुनैद, ब्लॉक अध्यक्ष नाजिर कस्सार, ग्राम अध्यक्ष इरफान सैफी, नासिर कस्सार, ग्राम अध्यक्ष जाहिद सैफी आदि सहित भारी संख्या में एआईएमआईएम पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे I

सबकी समस्या का निराकरण सरकार की प्रतिबद्धता : सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार की प्रतिबद्धता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में एक महिला ने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति का जिक्र कर बिटिया के विवाह में सहायता देने का अनुरोध किया। सीएम योगी ने जब महिला को प्रति जोड़ा एक लाख रुपये आवंटन वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के बारे में बताया तो वह खुश हो गई। महिला ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि योजना का लाभ उसकी बिटिया को भी दिला दीजिए। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों को जरूरी प्रक्रिया पूर्ण करने को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों चेक पाकर भावुक हुए अनुदेशक, कहा- सरकार ने दिया सम्मान

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत हजारों अंशकालिक अनुदेशकों को बड़ी सौगात देते हुए उनके मानदेय में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की है। इसके बाद प्रदेशभर के अनुदेशकों में खुशी की लहर है। रविवार को लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों चेक पाकर अनुदेशकों के चेहरे भी खुशी से खिल उठे। सभी अनुदेशकों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी कर उन्हें सम्मान देने का काम किया है।

अनुदेशकों का 9 हजार से बढ़कर 17,000 रुपये हुआ मानदेय–दरअसल 24717 अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से 9 हजार रुपये बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। इस उपलक्ष्य में लोकभवन में अनुदेशक सम्मान समारोह एवं चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चयनित 14 अनुदेशकों को चेक वितरित कर उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री के हाथों चेक पाकर अनुदेशकों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने इसे योगी सरकार की संवेदनशीलता और शिक्षा कर्मियों के प्रति सम्मान की भावना बताया। रायबरेली की अनुदेशक शिखा सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों चेक पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई है।

मानदेय 17 हजार रुपये होने से बड़ी राहत मिलेगी- अनुदेशक–शिखा सिंह ने बताया कि पहले 9 हजार रुपये में परिवार चलाना मुश्किल होता था, लेकिन अब सीधे 17 हजार रुपये मानदेय मिलने से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने अनुदेशकों की समस्याओं को गंभीरता से समझा है। ऐसे ही लखनऊ के कौशलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री ने न केवल मानदेय बढ़ाया है बल्कि अनुदेशकों के लिए 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी लागू किया है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार पहले भी अनुदेशकों का मानदेय बढ़ा चुकी है और इस बार एक साथ 8 हजार रुपये की वृद्धि कर सरकार ने बड़ी राहत दी है। मुख्यमंत्री का यह निर्णय अनुदेशकों के आत्मसम्मान और आर्थिक मजबूती दोनों को बढ़ाएगा।

डॉ0 इरफान सैफी निर्विरोध अखिल भारतीय सैफी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। अखिल भारतीय सैफ़ी महासभा का संगठनात्मक चुनाव एक नर्सिंग होम में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया निर्वाचन कमेटी द्वारा पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराई गई। जिसमें डॉ. इरफान सैफ़ी को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार रविवार प्रातः 11 बजे से चुनाव प्रक्रिया आरंभ हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट मोहम्मद अकील सैफी, निर्वाचन अधिकारी अलाउद्दीन सैफी, सहायक निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद शाहनवाज सैफी के समक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु चार नामांकन प्रस्तुत किए गए। जिसमें डॉ॰ इरफान सैफी, डॉ॰ रेहान सैफी, नसरुद्दीन सैफी एवं शमशेर सैफी के नामांकन पत्र जमा किये। जांच में नसरुद्दीन सैफी और शमशेर सैफी के पात्रता न होने के कारण नामांकन निरस्त कर दिए गए। जबकि डॉ॰ रिहान अहमद सैफी ने अपना नामांकन वापस ले लिया। केवल डॉ॰ इरफान सैफी का नामांकन वेध पाया गया। अन्य कोई प्रत्याशी न होने के कारण निर्वाचन समिति ने डॉ॰ इरफान सैफी को निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा की। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट सद्दाम प्रधान सैफ़ी ने संगठन की भूमिका और वर्तमान समय में सामाजिक एवं राजनीतिक भागीदारी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति में लोगों की संख्या और भीड़ को ताक़त माना जाता था, लेकिन आज सोशल मीडिया का दौर है, जहाँ ट्विटर (X) जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी आवाज़ और उपस्थिति प्रभावशाली ढंग से दर्ज कराई जाती है। सभा का संचालन नबी हसन सैफ़ी ने किया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य लोग एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. सद्दाम प्रधान सैफ़ी, हाजी ज़ाहिद सैफ़ी, हसनैन सैफ़ी, उमर फारूक सैफ़ी, शफ़ीक़ सैफ़ी, हाजी मेराज सैफ़ी, रिफ़ाक़त प्रधान सैफ़ी, अनवार सैफ़ी, ज़फ़र सैफ़ी, फ़िरासत सैफ़ी, नज़ाकत सैफ़ी, शमशेर सैफ़ी, अल्ताफ़ सैफ़ी, ज़ाकिर सैफ़ी, दानिश सैफ़ी, आसिम सैफ़ी, नवाब सैफ़ी, एड. कामिल सैफ़ी, एड. नुसरत सैफ़ी , ज़फ़रुद्दीन सैफ़ी, सत्तार सैफ़ी, डॉ. अमरूद्दीन सैफ़ी, डॉ. सगीर सैफ़ी, नासिर सैफ़ी, इसरात प्रधान सैफ़ी, अनीस प्रधान सैफ़ी, ज़ैद सैफ़ी, डॉ. नाज़िम सैफ़ी, डॉ. तहसीन सैफ़ी, नज़र सैफ़ी, अफ़सार सैफ़ी सहित बड़ी संख्या में सैफी समाज के लोग मौजूद रहे। यह जानकारी निर्वाचन अधिकारी अलाउद्दीन सैफी ने दी I

हिंदू समाज पार्टी युवा मोर्चा राष्ट्रीय कार्यालय पर एक बैठक का आयोजन किया गया

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

मुरादाबाद/ उत्तर प्रदेश/इस बैठक में हिंदू समाज पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और लक्ष्य 2027 उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़वाने के लिए चर्चा करी और उत्तर प्रदेश में नशा आईपीएल जैसे क्रिकेट सट्टा एमसीएक्स चल रहा है उसको बंद करने के लिए मांग भी करी जिसमें मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने आज संकल्प लिया कि हिंदुओं का साथ हिंदुओं का विकास के लिए हिंदू समाज पार्टी लगातार कार्य करती रहेगी बैठक में मौजूद प्रांशु जोशी अजय ठाकुर एडवोकेट महेंद्र चौहान ऋषभ शर्मा एडवोकेट शरद सिंह अनु चौहान कमल कश्यप विमल शर्मा सनी सक्सेना विशाल पाल अंबा शर्मा अंबर शर्मा ज्ञान चौहान सतीश शर्मा अभिषेक सागर निगम सागर आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे

2027 की जंग का बिगुलः बूथ से सत्ता तक का रोडमैप तैयार करने में जुटी सपा

» "जनता के बीच बिताया गया हर घंटा 2027 की जीत की नींव बनेगा" - शुभलेश यादव

लोक तंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) उत्तर प्रदेश की सियासत में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीतियां जमीन पर उतारनी शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी ने बरेली जनपद में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए व्यापक अभियान छेड़ दिया है। पार्टी की जिला इकाई द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्रों में जोनवार बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है, जिसे आने वाले चुनाव की तैयारी का पहला बड़ा चरण माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी इस बार केवल चुनावी नारों तक सीमित रहने के बजाय सीधे गांव, मोहल्ले और बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि 2027 का चुनाव केवल बड़े मंचों या सोशल मीडिया प्रचार से नहीं, बल्कि बूथ स्तर पर मजबूत संगठन और जनता के बीच निरंतर संवाद से जीता जाएगा। जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव के नेतृत्व में शुरू हुई इस मुहिम को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में भी उत्साह दिखाई दे रहा है। निवर्तमान जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने बताया कि प्रत्येक जोन बैठक में बूथ गठन, सेक्टर प्रबंधन, पीडीए समाज के बीच पहुंच, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और चुनावी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य केवल बैठकें करना नहीं, बल्कि ऐसा मजबूत संगठन खड़ा करना है जो हर गांव और हर बूथ पर सक्रिय दिखाई दे। पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने के साथ-साथ उन्हें जनता के बीच अधिक समय देने के लिए भी प्रेरित कर रहा है। जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों, किसानों की समस्याओं, युवाओं की बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को लेकर पार्टी लगातार संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि "राजनीति केवल सोशल मीडिया पोस्ट और बैठकों से नहीं चलती। जनता के दुख-दर्द में शामिल होना और उनके बीच लगातार संवाद बनाए रखना ही एक सच्चे कार्यकर्ता की पहचान है। आज जो साथी मेहनत करेगा, वही 2027 में समाजवादी सरकार बनाने का आधार तैयार करेगा।" शुभलेश यादव ने पार्टी पदाधिकारियों, सेक्टर प्रभारियों और बूथ अध्यक्षों से प्रतिदिन कम से कम पांच घंटे जनता के बीच बिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाएं तथा पीडीए समाज को मजबूत रूप से पार्टी से जोड़ने का काम करें। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि समाजवादी पार्टी इस बार बूथ प्रबंधन और सामाजिक समीकरणों पर विशेष फोकस कर रही है। खासतौर पर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग को लेकर पार्टी की सक्रियता आगामी चुनाव में बड़ा राजनीतिक संदेश मानी जा रही है। इसी रणनीति के तहत बरेली जिले में जोनवार बैठकों का कार्यक्रम भी तय किया गया है। 23 मई से शुरू होने वाला यह अभियान जून माह तक चलेगा, जिसमें जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग बैठकों के माध्यम से संगठनात्मक मजबूती पर काम किया जाएगा।

घोषित कार्यक्रम इस प्रकार है -

- 23 मई, शनिवार सुबह 11 बजे विधानसभा 126 आंवला — जोन सिरौली
- 23 मई, शनिवार दोपहर 2 बजे विधानसभा 122 फरीदपुर — जोन रजऊ
- 04 जून, गुरुवार सुबह 11 बजे विधानसभा 121 नवाबगंज — जोन भुजुआ बाजार
- 04 जून, गुरुवार दोपहर 2 बजे विधानसभा 122 फरीदपुर — जोन भुता
- 07 जून, रविवार सुबह 11 बजे विधानसभा 118 बहेड़ी — जोन दमखोदा
- 07 जून, रविवार दोपहर 2 बजे विधानसभा 120 भोजीपुरा — जोन भोजीपुरा
- 13 जून, शनिवार सुबह 11 बजे विधानसभा 123 बिथरी चैनपुर — जोन विशारतगंज
- 13 जून, शनिवार दोपहर 2 बजे विधानसभा 126 आंवला — जोन अलीगंज

पार्टी नेतृत्व ने सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से समय पर बैठकों में पहुंचकर संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है। बरेली में शुरू हुई यह राजनीतिक सक्रियता साफ संकेत दे रही है कि आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी जमीन अभी से तैयार की जा रही है और सभी दल अपनी-अपनी ताकत बढ़ाने में जुट चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवक बिजली के खंभे पर चढ़ा, प्रेमिका की शादी से नाराज, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले में एक युवक अपनी प्रेमिका की शादी से नाराज होकर बिजली के खंभे पर चढ़ गया। इस घटना के कारण घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को नीचे उतारा। यह मामला लालगंज थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव और बिजली ऑफिस परिसर का है। सूचना मिलते ही लालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने युवक को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और आश्वासन दिया, जिसके बाद वह खंभे से नीचे उतरा। बिजली के खंभे पर चढ़ने वाले युवक की पहचान जैतीपुर गांव निवासी दिनेश राम के 28 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार के रूप में हुई है। उसकी प्रेमिका उसी गांव के कृष्ण राम की पुत्री प्रीती कुमारी बताई गई है। पुलिस ने अरविंद कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि वह पिछले एक महीने से अपनी प्रेमिका से शादी करने की जिद पर अड़ा था। उसने यह भी बताया कि इस कारण उसने खाना भी नहीं खाया था, जिससे उसकी सेहत बिगड़ गई थी।

शादी से पहले मां बनी प्रेमिका, प्रेमी निकाह को राजी नहीं, गोद में एक महीने का बच्चा लेकर पहुंची डीआईजी ऑफिस

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। 'जावेद 2024 में मुझे भगाकर ले गया था। शादी का झांसा देकर दिल्ली ले गया और कहा कि मैं तुमसे शादी करूंगा। कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद मैं प्रग्नेंट हो गई। जब मैं 5 महीने की प्रेग्नेंट थी तो जावेद ने मुझसे कहा कि तुम घर चली जाओ, बाबू होगा तो शादी करेंगे। अब तो बच्चा भी हो गया। जावेद गांव आया हुआ था, तब उसने बोला कि तुम मेरे कास्ट की नहीं हो, इसलिए मैं तुमसे शादी नहीं करूंगा। जहां फैसला कराना है करा लो।' ये बातें मुजफ्फरपुर के हथौड़ी थाना की रहने वाली पीड़िता ने कही है। वो शिकायत के लेकर शनिवार को डीआईजी कार्यालय पहुंची।

पीड़िता जहां रहती है। वहां से थोड़ी ही दूर पर जावेद का घर है। यही कारण है कि दोनों एक-दूसरे के करीब आए और प्रेम-प्रसंग की शुरुआत हुई। दो साल पहले जावेद ने पीड़िता को कहा कि मेरे साथ दिल्ली चलो। वहां हमलोग साथ रहेंगे। अपनी नई जिंदगी शुरू करेंगे। पीड़िता ने भी कई सपने देखें और उसके साथ वो भाग गई। परिजन को पीड़िता के प्रेम-प्रसंग के बारे में पता था, पर वो अपनी बेटी को रोक नहीं पाए। पिछले साल दिसंबर में पीड़िता घर लौटी। उस वक्त वो प्रेग्नेंट थी। पीड़िता के अनुसार, जब जावेद गांव लौटा तो पीड़िता उससे मिलने के लिए उसके घर गई। पीड़िता ने उससे शादी के लिए कहा, पर प्रेमी के तेवर पूरी तरह से बदले थे। जावेद उसके साथ ठीक से बात तक नहीं कर रहा था। प्रेमी ने कहा कि वो बच्चे को अपनाने के लिए तैयार नहीं है। पीड़िता ने प्रेमी को मनाने की कोशिश की तो जावेद ने उसे डांस-फटकार कर घर से भगा दिया। पीड़िता ने बताया कि 'जावेद ने मेरे साथ धोखा किया है। मैंने स्थानीय पुलिस की मदद भी मांगी। हथौड़ी थाने गई थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। थाने से मुझे निराशा मिली। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं। अंत में मैं अपने एक महीने के बच्चे के साथ डीआईजी ऑफिस पहुंची हूं।'

'बच्चे को मत मारो' कहने पर पिता की पीटकर हत्या, पोते को पीट रहे बेटे को रोका था

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक बेटे ने पीट-पीटकर अपने पिता की हत्या कर दी। पिता की गलती बस इतनी थी कि वो अपने पोते को पीटने से मना कर रहे थे। घटना बोचहां थाना क्षेत्र के गरहां ओपी सनाठी गांव की है। मृतक की पहचान महेश सहनी (68) के तौर पर हुई है। वहीं, आरोपी बेटा मनोज सहनी है। मृतक की पत्नी नगीना देवी के बयान पर आरोपी बेटे मनोज सहनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मनोज फिलहाल फरार है। परिजन के अनुसार, मनोज सहनी का बेटा शनिवार को स्कूल नहीं जा रहा था। वो बहाना बनाकर घर पर ही रखना चाह रहा था। उसे पढ़ने का मन नहीं था, लेकिन मनोज चाहता था कि बेटा स्कूल जाए। कई बार समझाने के बाद भी बच्चा नहीं मान रहा था। जिसके बाद मनोज गुस्से में आ गया। वो अपने बेटे की बेहरमी से पिटाई करने लगा। आरोपी मनोज गुस्से में बच्चे को जानवर की तरह पीट रहा था।

मासूम बच्चे की चीखें सुनकर पास में मौजूद दादा महेश साहनी का दिल पसीज गया। वो खुद को रोक नहीं पाए। तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने बेटे मनोज को डांटते हुए कहा कि बच्चे को इतनी बेरहमी से मत पीटो, उसे छोड़ दो। महेश सहनी पिता-बेटे के बीच आ गए। इससे आरोपी ने अपना सारा गुस्सा बुजुर्ग पिता पर ही निकाल दिया। लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। आरोपी बेटे ने पास पड़ा एक बांस उठाया और अपने पिता पर हमला कर दिया। इससे भी उसका गुस्सा ठंडा नहीं हुआ, तो उसने जमीन पर पड़ी एक भारी ईंट उठाई और अपने पिता के सिर पर दे मारा। ईंट के हमले से महेश सहनी का सिर फट गया। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। घर में अफरा-तफरी मच गई, परिवार वाले उन्हें आनन-फानन में उठाकर अस्पताल की ओर भागे। मृतक के छोटे बेटे धीरज कुमार ने बताया कि मेरे बड़े भाई ने ही पिता की पिटाई की थी। पिता सिर्फ अपने पोते को बचाने गए थे, लेकिन इसी बात पर उन पर हमला कर दिया गया। बांस और ईंट से मारने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी। इलाज के लिए एसकेएमसीएच लेकर पहुंचे। इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों ने सिटी स्कैन कराने को कहा था, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण समय पर जांच नहीं हो सकी। नतीजतन, अंदरूनी चोटों के लिए समय पर जांच और इलाज न मिल पाने के कारण, उनकी हालत बिगड़ती चली गई और इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। एसकेएमसीएच ओपी पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पत्नी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चंदवारा पुल फेज-2 निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर शहर को लगातार ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने और पूर्वी इलाके की कनेक्टिविटी मजबूत करने को लेकर चंदवारा पुल फेज-2 परियोजना अब तेजी से आगे बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस परियोजना के पूरा होने के बाद जेल चौक से सीधे अहियापुर के सिपाहपुर होते हुए NH-57 दरभंगा फोरलेन तक सुगम संपर्क स्थापित होगा। जानकारी के अनुसार, जेल चौक से सिपाहपुर NH-57 तक करीब 3 किलोमीटर लंबा एप्रोच पथ बनाया जाएगा। इसके लिए जिला भू-अर्जन कार्यालय ने जमीन अधिग्रहण का पूरा प्राक्कलन तैयार कर लिया है। इस परियोजना पर करीब 120 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 57 करोड़ रुपए केवल भूमि अधिग्रहण पर खर्च किए जाएंगे। प्रशासन की ओर से भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रस्ताव पुल निर्माण निगम को सौंप दिया गया है। फंड उपलब्ध होते ही अगले महीने से प्रभावित लोगों को मुआवजा वितरण शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही मिट्टी भराई और अन्य प्रारंभिक निर्माण कार्य भी समानांतर रूप से शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इधर, चंदवारा पुल फेज-1 का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। फिलहाल पुल पर आंशिक रूप से वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया गया है, जबकि दिसंबर तक इसका पूरा निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि शहर की बढ़ती ट्रैफिक समस्या को देखते हुए चंदवारा पुल परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फेज-1 अंतिम चरण में है और जल्द ही इस पर पूर्ण रूप से परिचालन शुरू हो जाएगा। वहीं, फेज-2 के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। परियोजना के पूरा होने से शहर के पूर्वी हिस्से में आवागमन आसान होगा और जेल चौक, अहियापुर और दरभंगा फोरलेन की ओर जाने वाले वाहनों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

41वां जिला एथलेटिक्स मीट अब 22–24 मई को, सहरसा स्टेडियम में होगा आयोजन

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा में आयोजित होने वाला 41वां जिला एथलेटिक्स मीट 2026 अब 18–20 मई के बजाय 22 से 24 मई 2026 तक सहरसा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रोशन सिंह धोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ कारणों के चलते आयोजन की तिथियों में बदलाव किया गया है। इस प्रतियोगिता में सहरसा जिले के U-14, U-16, U-18, U-20, U-23 एवं ओपन आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निबंधन अनिवार्य है, जिसकी अंतिम तिथि 20 मई 2026 निर्धारित की गई है। निबंधन शुल्क मात्र 20 प्रति खिलाड़ी रखा गया है। खिलाड़ी किसी एक आयु वर्ग में अधिकतम दो विधाओं में भाग ले सकेंगे। सभी सफल प्रतिभागियों को जिला एथलेटिक्स संघ की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही चयनित खिलाड़ियों को जून 2026 में पटना में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। निबंधन फॉर्म जिला खेल कार्यालय, सहरसा स्टेडियम से सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक तथा साईं स्पोर्ट्स सुपर मार्केट, सहरसा से सुबह 9:00 बजे से रात 8:00 बजे तक प्राप्त एवं जमा किए जा सकते हैं। जिला एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष सैयद समी अहमद ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विद्यालय एवं महाविद्यालय के साथ-साथ गैर-विद्यालयी छात्र-छात्राएं भी भाग ले सकते हैं। वहीं संघ के अध्यक्ष आर. के. सिंह (रबिंद्र कुमार सिंह), संस्थापक श्री नारायणा मेडिकल कॉलेज, ने कहा कि सहरसा में खेल एवं चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इस जिला स्तरीय एथलेटिक्स मीट में 60 मीटर, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 600 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर एवं 3000 मीटर दौड़ के अलावा ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक एवं भाला फेंक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सहरसा में एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा, उपभोक्ताओं से पाइपलाइन गैस (PNG) अपनाने की अपील

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिला प्रशासन ने रसोई गैस (LPG) की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने और बैकलॉग को कम करने के उद्देश्य से जिले के सभी प्रमुख गैस वितरकों—इंडेन, एचपी गैस और भारत गैस—के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि लंबित बुकिंग को जल्द से जल्द क्लियर किया जाए और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए। जिला स्तर पर प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कुल 19,472 सिलेंडर की बुकिंग लंबित है, जबकि बीते दिन 4,288 सिलेंडर की बुकिंग और 4,721 सिलेंडर की डिलीवरी की गई। वर्तमान में कुल 14,409 भरे हुए सिलेंडर उपलब्ध हैं। औसतन 2 से 4 दिनों में डिलीवरी हो रही है, हालांकि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में यह अवधि 6 से 8 दिन तक है, जिसे सुधारने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी वितरकों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी उपभोक्ता को गैस की कमी

का सामना न करना पड़े। इसी बीच, नगरवासियों से पाइपलाइन नेचुरल गैस (PNG) अपनाने की अपील की गई है। प्रशासन का कहना है कि PNG से सिलेंडर बुकिंग, डिलीवरी की प्रतीक्षा और बार-बार खत्म होने की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

PNG के प्रमुख फायदे: 24x7 निरंतर गैस आपूर्ति बुकिंग और डिलीवरी की झंझट से मुक्ति अधिक सुरक्षित विकल्प मीटर आधारित पारदर्शी और किफायती बिलिंग रसोई में जगह की बचत जिलाधिकारी ने कहा कि "सहरसा को स्मार्ट और स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में पाइपलाइन गैस एक महत्वपूर्ण कदम है। नगरवासियों को इसे अपनाकर सुरक्षित और आधुनिक सुविधा का लाभ उठाना चाहिए।

फतुहा में अज्ञात गाड़ी ने बाइक सवार को रौंदा

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिले के फतुहा थाना क्षेत्र स्थित डुमरी फोरलेन के पास रविवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। घटना में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान दानापुर पेठिया बाजार निवासी 24 वर्षीय साहिल कुमार के रूप में हुई है, जो रियल एस्टेट व्यवसाय से जुड़ा था। वहीं घायल युवक उसका मित्र प्रिंस कुमार (24 वर्ष) है। जानकारी के अनुसार, साहिल अपने दोस्त प्रिंस के साथ नालंदा जिले के नगरनौसा से बाइक द्वारा दानापुर लौट रहा था। घायल प्रिंस ने बताया कि साहिल बाइक चला रहा था और वह पीछे बैठा हुआ था। जैसे ही वे फतुहा के डुमरी फोरलेन के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात बड़े वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त

- डुमरी फोरलेन पर दानापुर के युवक की मौत, दोस्त गंभीर रूप से घायल

थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक का चक्का साहिल के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रिंस सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर फतुहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रिंस को तत्काल फतुहा अस्पताल पहुंचाया।

प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन के स्थापना दिवस पर सहरसा के 42 स्कूलों के संचालक सम्मानित

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन एसोसिएशन के स्थापना के 15 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज रविवार को पटना के रविंद्र भवन के विशाल हॉल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी, सिक्किम एवं मेघालय के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद चौरसिया तथा एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद शमाइल अहमद ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों से लगभग 1800 निजी विद्यालयों के संचालकों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर बिहार के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना रहे हैं, जिस पर हमें गर्व है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सरकार की नई गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन करें तथा अपने आसपास के सरकारी विद्यालयों को हर संभव सहयोग दें। उन्होंने आगे कहा कि सभी शैक्षणिक संस्थानों, चाहे वे सरकारी हों या निजी, तथा जिला एवं प्रखंड स्तर के सरकारी कार्यालयों को एक माह

के भीतर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से मुक्त किया जाएगा। इसलिए सभी लोग स्वयं को पहले से ही भ्रष्टाचार से दूर रखें। कार्यक्रम के दौरान राज्य के सभी जिलों के पंजीकृत निजी विद्यालयों के संचालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सहरसा जिले से भी दिल्ली पब्लिक स्कूल सहरसा, मखदूम अबुल कासिम मेमोरियल स्कूल तरियावां, ग्रीन वैली एकेडमी रंगीनियां, वाइजन इंटरनेशनल स्कूल चकमका, टैगोर पब्लिक स्कूल बख्तियारपुर सहित कुल 42 निजी विद्यालयों के संचालकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों के लिए स्वादिष्ट भोजन की भी व्यवस्था की गई।

फतुहा में कानपुर के युवक की संदिग्ध मौत पत्नी ने कपड़ों और तस्वीर से शव पहचाना

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिला अंतर्गत फतुहा थाना क्षेत्र से एक बेहद ही दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। कानपुर देहात के रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया है। जवान बेटे और पति की मौत की खबर के बाद से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के गणीपुर तहसील के नोनापुर गांव निवासी अमरेश कुमार (25 वर्ष) के रूप में हुई है।

सड़क किनारे मिला था अज्ञात शव: जानकारी के अनुसार, बीते शनिवार को पुलिस को सुपनचक और सोनारु गांव के बीच ग्रामीण रोड के किनारे एक अज्ञात युवक का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और कानूनी प्रक्रिया

पूरी करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया। शुरुआती जांच में शव की पहचान नहीं हो सकी थी, जिससे मामला पूरी तरह उलझा हुआ था।

पत्नी ने कपड़ों और तस्वीर से की पहचान: रविवार को इस मामले में उस समय बड़ा मोड़ आया जब मृतक के परिजन भटकते हुए फतुहा थाना पहुंचे। थाने में मौजूद तस्वीरों और कपड़ों के आधार पर मृतक की पत्नी ने अपने पति के शव की शिनाख्त की। पति का शव देखते ही पत्नी और साथ आए परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। थाने का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया।

कुरकुरे कंपनी में काम के सिलसिले में आया था युवक: परिजनों के मुताबिक, अमरेश अपने ही गांव के एक कंटेनर चालक के

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

साथ फतुहा फोरलेन पर स्थित एक कुरकुरे कंपनी में आया था। वह पिछले कई दिनों से इसी इलाके में रह रहा था। शनिवार को वह ग्रामीण सड़क के किनारे तक कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी भी एक गहरा रहस्य बना हुआ है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतेजार: फतुहा थाना अध्यक्ष कुमार रौशन ने बताया कि, शव को शनिवार को ही बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। रविवार को परिजनों और पत्नी द्वारा पहचान कर ली गई है। मौत की असली वजह क्या है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।'

नौबतपुर नगर पंचायत चुनाव की तैयारी तेज, ई-वोटिंग के लिए मतदाताओं का पंजीकरण शुरू

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के फुलवारीशरीफ स्थित नौबतपुर नगर पंचायत में नगर अध्यक्ष चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। एक ओर ई-वोटिंग के लिए मतदाताओं का पंजीकरण तेजी से किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने ई-वोटिंग प्रणाली में खामियां होने का आरोप लगाया है। जिलाधिकारी से निर्देश मिलने के बाद नौबतपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने मतदाता पुनरीक्षण और ई-वोटिंग की प्रक्रिया को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर कुल मतदाताओं की संख्या के 30 प्रतिशत लोगों को ई-वोटिंग से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है। विकास परियोजना पदाधिकारी के माध्यम से आंगनवाड़ी सेविका, सहायिका और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिला मतदाताओं की सूची तैयार की जा रही है। वहीं, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को दिव्यांग मतदाताओं का सर्वेक्षण कर

- पूर्व सभापति ने ई-वोटिंग पर उठाए सवाल, सुधार की मांग

सूची तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के नए मतदाताओं, सर्विस वोटर और इच्छुक मतदाताओं से जुड़े आंकड़े जुटा रहे हैं। श्रम प्रवर्तन प्राधिकारी को प्रवासी मजदूर मतदाताओं का डेटा तैयार करने का काम सौंपा गया है। तैयार सूची बीएलओ को उपलब्ध कराई जाएगी। नौबतपुर नगर पंचायत के पूर्व नगर सभापति कौशल कौशिक ने ई-वोटिंग प्रणाली में कई खामियां होने का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से इस व्यवस्था पर दोबारा विचार करने की मांग की है।

जू में बनेगा मोडिफाइड मछली घर

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जू में अलग-अलग मोडिफिकेशन का काम किया जा रहा है। इसी के साथ अब मछली घर भी नए स्टाइल में दिखेगा। पटना जू के मछली घर को जल्द ही अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जाएगा। इसके साथ ही दर्शकों की सुविधा और जानकारी के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे। वहां दर्शक मछलियों की प्रजाति और कौन सी मछली कहां से आयी है इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह डिस्प्ले बोर्ड पूरी तरह से डिजिटल रहेगा। इसमें QR कोड भी दिए होंगे, जिसे दर्शक स्कैन कर सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जू प्रशासन के अनुसार वर्तमान मछली घर की संरचना काफी पुरानी है। इसे आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बदला जाना जरूरी हो गया है। इस मोडिफिकेशन के तहत मछली टैंकों का पुनर्निर्माण, एडवांस्ड

लाइटिंग सिस्टम और आधुनिक जल शुद्धीकरण प्रणाली लगाई जाएगी। इसके अलावा अत्याधुनिक फिल्ट्रेशन सिस्टम, आटोमैटिक तापमान नियंत्रण व्यवस्था और ऊर्जा-संचालित एलईडी लाइटिंग भी स्थापित की जाएगी। दूसरी ओर पटना जू के एंट्री गेट पर 5 और कियोस्क मशीनें लगेंगी। पटना जू में पिछले दिनों ट्रायल के तौर पर गेट संख्या 1 और 2 पर दो कियोस्क मशीन लगाई गई थी। विजिटर्स के अच्छे रिस्पांस को देखते हुए अब जू प्रशासन ने कियोस्क मशीनों की संख्या को बढ़ाने का फैसला लिया है।

सिटीजन फीडबैक में पटना देश में सेकेंड टॉप सिटी, स्वच्छ सर्वेक्षण में 4.5 लाख नागरिकों ने दिया फीडबैक

लोकतंत्र की शान, पटना

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत आम लोगों से उनके शहर की साफ-सफाई की व्यवस्था पर फीडबैक लिया जा रहा है। पटना शहर फीडबैक में देशभर में दूसरे स्थान पर है। इसका सीधा असर सर्वेक्षण में पटना की रैंकिंग पर भी होगा। अब तक लगभग साढ़े चार लाख पटना के लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से अपना फीडबैक दर्ज कराया है। स्वच्छ भारत मिशन ने इन आंकड़ों को जारी किया है। सिटीजन फीडबैक अभियान को सफल बनाने और आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने वरीय पदाधिकारियों, कर्मचारियों और कंसल्टेंट्स की 2 सदस्यीय कुल 14 टीमें गठित की हैं। शहर के प्रमुख कोचिंग हब बोरिंग रोड, मुसल्लाहपुर हाट, बाजार समिति और अशोक राजपथ स्थित कोचिंग संस्थानों और

हॉस्टलों में बड़ी संख्या में छात्रों ने ऑन-द-स्पॉट फीडबैक दिया। इसके अलावा टीम की ओर से भीड़-भाड़ वाले इलाकों जैसे रेलवे स्टेशन, पार्क, चिड़ियाघर, मॉल, स्लम बस्तियों और प्रमुख चौक-चौराहों पर जा-जाकर लोगों को फीडबैक करने संबंधी डेमो भी दिया जा रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत

- पटना नगर निगम की 14 टीम बनी

निकायों का मूल्यांकन कुल 12,500 अंकों के आधार पर किया जाएगा। सर्टिफिकेशन (ODF, Water Plus, Garbage Free City) में 2000 अंक, ऑन-ग्राउंड असेसमेंट में 9500 अंक और सिटीजन फीडबैक में 1000 अंक शामिल है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नागरिकों से शहर की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े 13 सवाल पूछे जा रहे हैं। इन सवालों में घर-दुकान से कचरा उठाव, सूखा-गीला कचरा सेग्रेगेशन, नियमित सफाई, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, RRR सेंटर की जानकारी, शिकायत निवारण व्यवस्था, आदि विषय शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

आरजीपीवी से राजीव गांधी का नाम हटाना दुर्भावनापूर्ण

भाजपा महापुरुषों को संकीर्ण चश्मे से देखती है -अजय सिंह

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का विभाजन करने और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का नाम हटाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने इसे पूरी तरह राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कदम बताया है। अजय सिंह ने कहा कि विभाजन का असली मकसद विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए नहीं, बल्कि केवल पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम मिटाने का है। इसीलिए भाजपा सरकार राजीव गांधी विश्वविद्यालय को तीन हिस्सों में बांटने का प्रपंच रच रही है। सिंह ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में देश की तरक्की के लिए कंप्यूटर युग की शुरुआत की थी। उन्होंने डिजिटल इंडिया की मजबूत नींव रखी, जो देश के विकास में एक अविस्मरणीय योगदान है। इसी ऐतिहासिक तकनीकी योगदान के कारण ही विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा गया था। किसी भी महापुरुष को केवल उनके देशहित में किए गए कार्यों और योगदान के लिए जाना जाता है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि भाजपा सरकार हर राष्ट्रीय नायक को अपनी पार्टी के संकीर्ण चश्मे से देखती है। अजय सिंह ने कहा कि इतिहास और महापुरुषों के योगदान को इस तरह की राजनीतिक दुर्भावना से मिटाना जनभावनाओं का अनादर है। सरकार की इस विभाजनकारी नीति को जनता अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जनता और कांग्रेस पार्टी द्वारा हर स्तर इसका विरोध किया जाएगा।

चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने किया वार्ड नं. 30 में सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी , सम्भल। नगर पालिका परिषद सम्भल की अध्यक्ष आसिया मुशीर अली खान के नेतृत्व में शहर में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार तेज होती जा रही है। इसी क्रम में वार्ड नं. 30 मोहल्ला नाले पर चल रहे सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण करने चेयरमैन पति एवं एआईएमआईएम के वरिष्ठ नेता चौधरी मुशीर अली खान पहुंचे। निरीक्षण के दौरान चौधरी मुशीर अली खान ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य तेजी के साथ कराए जा रहे हैं और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका अध्यक्ष आसिया मुशीर अली खान के कुशल नेतृत्व एवं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की सक्रिय कार्यशैली के चलते सम्भल नगर में विकास और सौंदर्यीकरण के कार्य लगातार आगे बढ़ रहे हैं। सड़क, नाली, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि नगर की जनता को हर संभव बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनका उद्देश्य है और सम्भल को विकास एवं स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश के अग्रणी नगरों में शामिल करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। स्थानीय लोगों ने सड़क मरम्मत कार्य शुरू होने पर खुशी व्यक्त करते हुए नगर पालिका परिषद सम्भल के कार्यों की सराहना की।

कीर्ति मेडिकल हॉल के सामने खड़ी कार में लगी भीषण आग, इंजन जलकर राख

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/जिला सरकारी अस्पताल के पास स्थित कीर्ति मेडिकल हॉल के सामने खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते कार का पूरा इंजन जलकर राख हो गया। घटना से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार यह कार नितिन यादव की बताई जा रही है, जो कीर्ति मेडिकल हॉल के स्वामी हैं। लोगों ने बताया कि आज भीषण गर्मी के कारण कार के नीचे से पहले हल्की-हल्की चिंगारी निकलती दिखाई दी। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मेडिकल हॉल के स्वामी को फोन कर सूचना देने की कोशिश की, लेकिन फोन नहीं उठ सका। कुछ ही देर में चिंगारी ने आग का रूप ले लिया और कार पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। घटना की जानकारी मिलते ही सरकारी अस्पताल पुलिस चौकी से पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग इतनी विकराल हो चुकी थी कि काबू में नहीं आ रही थी। बताया जा रहा है कि पास स्थित शर्मा मेडिकल के कर्मचारियों ने भी आग बुझाने के लिए गैस सिलेंडर मंगवाकर प्रयास किया, लेकिन आग लगातार फैलती रही। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड को भी अवगत कराया गया। कुछ समय बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कार को भारी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

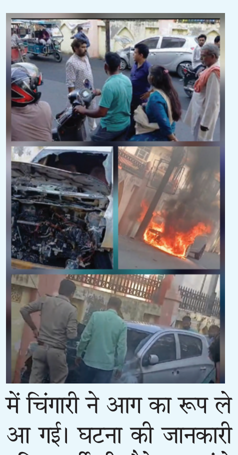

भीषण गर्मी पर सीएम योगी ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश- राहत-बचाव को लेकर रहें सतर्क

लोकतंत्र की शान, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा है।

अस्पतालों में हीट स्ट्रोक वार्ड तैयार रखने के निर्देश-सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि संवेदनशील जिलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। वहीं सरकारी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। अस्पतालों में दवाओं, बेड और डॉक्टरों की उपलब्धता बनाए रखने के साथ एंबुलेंस सेवाओं को भी सक्रिय रखने को कहा गया है। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था और बिजली आपूर्ति बाधित न होने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचें: सीएम योगी-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि अत्यधिक गर्मी और लू के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। सीएम ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने लोगों से पर्याप्त पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने और धूप में निकलते समय सिर ढककर रखने की अपील की है।

19 से 21 मई तक सबसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत-मौसम विभाग ने बताया कि 19, 20 और 21 मई को प्रदेश के कई जिलों में अति उष्ण लहर चल सकती है। तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि होने की संभावना है। इसे देखते हुए योगी सरकार ने सभी जिलों को राहत और बचाव की तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

बिचार वर्ग एवं परिचय सम्मेलन आयोजित, हर घर स्वादेशी का दिया नारा

» स्वदेशी एक वस्तु नहीं एक विचार है, वैश्विक अस्थिरता में भारत बनेगा मजबूत - रीती पाठक विधायक

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। एक दौर था जब भारत को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था, जिसकी एक मुख्य वजह स्वदेशी उत्पादों पर पूर्ण निर्भरता एवम विदेशी वस्तुओं से दूरी थी, वहीं वर्तमान में इसके विपरीत हर गॉव, हर घर तक सुबह से रात तक उपयोग में आने वाले उत्पाद कहीं न कहीं विदेशी देखने को मिल रहे हैं और भारत का पैसा विदेशों तक पहुँच रहा है। पूर्व काल की तुलना में हम सब आर्थिक रूप से दिनो दिन कमजोर साबित हो रहे हैं साथ ही अपनी जरूरतों की पूर्ति हेतु विदेशी उत्पादों पर निर्भर हो रहें है। प्रमोद कुमार मिश्र अधिवक्ता संयोजक स्वदेशी जागरण मंच सीधी ने जिले वासियों से स्वादेशी वस्तुओं के उपयोग एवम विदेशी वस्तुओं के वहिष्कार पर जोर दिया है। श्री मिश्र संयोजक स्वदेशी जागरण मंच ने बताया कि इन दिनों स्वदेशी वस्तुओं को बाज़ार में बढ़ावा देने का मुख्य कारण देश की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना है। उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु विगत दिवस जिला मुख्यालय में बृहद रूप से कार्यकर्ता परिचय सम्मेलन तथा सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवम आम उपभोक्ताओं को देश के प्रधानमंत्री का संदेश स्वादेशी अपनाओ एवम जागरूक बनो दिया गया। साथ ही स्वादेशी एवम विदेशी वस्तुओं की सूची प्रसारित की गयी जिसके माध्यम से हर एक उपभोक्ता जब बाजार जाये तो उसे आसानी से ज्ञात हो सके की उसके द्वारा क्रय की गयी सामग्री का पैसा देश में रहेगा या फिर विदेश जायेगा। मंच द्वारा मौजूदजनो को उक्त सूची अधिक से अधिक प्रसारित करने का दायित्व सौंपा गया। इसके साथ ही उक्त जन जागरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँची सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक द्वारा देश भक्ती से ओत प्रोत ओजस्वी एवम सारगर्भित भाषण के उपरांत सभी को शपथ दिलाई गयी कि हम जब भी बाजार जायेगें स्वादेशी उत्पाद ही लायेगें।

खुले में चिकन बिक्री पर प्रशासन का शिकंजा, 1 जून से मीट मंडी में ही होगी बिक्री

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर में स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने खुले में चिकन बिक्री पर सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शहर क्षेत्र का निरीक्षण कर स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और नगरीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने चिकन मोहल्ला पहुंचकर खुले में हो रही चिकन बिक्री की स्थिति देखी। जनस्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि 1 जून से वार्ड क्रमांक-6 स्थित निर्धारित मीट मंडी में ही चिकन बिक्री की जाएगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि निर्धारित स्थल के अलावा खुले में चिकन बेचने वाले व्यापारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। खुले में मांस बिक्री से गंदगी एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं, इसलिए व्यवस्था को व्यवस्थित और नियंत्रित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सुखा नाला किनारे किए गए अतिक्रमण का भी जायजा लिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को अतिक्रमण चिन्हित कर शीघ्र हटाने के निर्देश दिए, ताकि जल निकासी, साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो।

महर्षि कश्यप के तप और त्याग का दिया संदेश

लोकतंत्र की शान, राजेन्द्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल: विधायक जगमोहन आनंद के सुपुत्र सम्राट आनंद ने करनाल विधानसभा के गांव काछवा में कश्यप समाज युवा कार्यकर्ताओं के साथ भगवान महर्षि कश्यप जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सम्मिलित होकर श्रद्धापूर्वक नमन किया एवं उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति और युवा साथियों से आत्मीय भेंट की। भगवान महर्षि कश्यप जी का जीवन ज्ञान, तपस्या, त्याग और मानव कल्याण की प्रेरणा से परिपूर्ण रहा है। उनके आदर्श हमें समाज में सद्भाव, संस्कार और सेवा भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इस पावन अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए समाज में एकता, भाईचारे और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया गया। महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर कश्यप समाज के युवाओं द्वारा रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मानव सेवा का प्रेरणादायी संदेश भी दिया गया। कश्यप समाज युवा साथियो की मांग करनाल सहर में कश्यप समाज की जनसंख्या बहुत ज्यादा है कश्यप समाज को मुख्य धारा में लाया जाए राजनीत क्षेत्र में भागीदारी हो कार्यक्रम में मंडल रामनगर उपाध्यक्ष श्री राजीव कश्यप.बंशी लाल जी,अनूप कश्यप जी,एडवोकेट रामकुमार जी,एडवोकेट जगदीश कश्यप जी,जिला अध्यक्ष रामदिया कश्यप जी,राजू कश्यप युवा साथी ओबीसी मोर्चा श्री रविन्द्र कश्यप जी जिला मीडिया प्रभारी श्री हरीश कश्यप जरीफाबाद,सतीश काछवा, टिंकू कश्यप, सुरेश कश्यप जी, सितु कश्यप,निकली जी, जयभगवान,दीपक काछवा, अन्य साथीगण उपस्थित

मनरेगा कार्यों में लापरवाही पर जनपद सीईओ को नोटिस

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के अंतर्गत कार्यों की धीमी प्रगति एवं लक्ष्य पूर्ति में लापरवाही को लेकर जिला पंचायत सीधी द्वारा जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी राजीव तिवारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि मनरेगा के विभिन्न कार्यों में जनपद पंचायत रामपुर नैकिन की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई है। नोटिस में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वीकृत 857 कार्यों में केवल 134 कार्य पूर्ण होने तथा बड़ी संख्या में कार्य अप्रारंभित रहने पर नाराजगी जताई गई है। वहीं एक बगीचा मां के नाम योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अपेक्षित कार्य नहीं होने की बात भी सामने आई है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2023-24 के अधूरे कार्यों की प्रगति, ई-केवाईसी की कम उपलब्धि तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने के लक्ष्य में कमी को गंभीरता से लिया गया है। जिला पंचायत द्वारा जारी पत्र में संबंधित अधिकारी पर कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, उदासीनता एवं वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना का उल्लेख करते हुए निर्धारित समय सीमा में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

मीडिया कर्मियों के लिए जिला चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, बड़ी संख्या में पहुंचे पत्रकार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। मीडिया प्रतिनिधियों के स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय के न्यू एमसी विंग में विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में मीडिया प्रतिनिधियों की ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ईसीजी जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सलाह भी दी। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का उद्देश्य मीडिया कर्मियों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस. बी. खरे, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अविनाश जॉन धार्वे, डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. आशीष भारती, डॉ. अतुल पाण्डे एवं डॉ. अनुराग पॉल उपस्थित रहे। शिविर की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में लैब टेक्नीशियन संजय पाण्डेय, पुष्पराज त्रिपाठी, अनुराग पयासी तथा मेल नर्सिंग ऑफिसर संजय रावत की सक्रिय भूमिका रही। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी एवं प्रेरणादायक प्रयास बताया।

अनावश्यक शर्तें लगाकर ठेकेदारों से वसूली का खेल

» लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग का मामला,
» विधायक से की गई लिखित शिकायत

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग सीधी में वसूली का खेल सुर्खियों में बना है। एक संविदाकार द्वारा इसकी लिखित शिकायत विधानसभा क्षेत्र सिहावल के विधायक से की गई। शिकायत में कहा गया है कि पीएचई सीधी द्वारा निविदा 2026_पीएचईडी टेंडर नंबर-1487044 दिनांक 16 अप्रैल 2026 को निविदा बुलाई गई थी। जिनमें शर्तों का उल्लंघन किया गया। प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग भोपाल, मुख्य अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय जबलपुर, अधीक्षण यंत्री संभाग रीवा के बिना अनुमति के स्वयं भी व्यक्ति को निविदा दिलाने के लिए विशेष क्लॉज (शर्त) लगाई गई। पीडब्ल्यूडी मैनुअल में दो करोड़ तक की निविदा में विशेष क्लॉज की अनुमति नहीं देगा। फिर भी पीएचई सीधी में विशेष क्लॉज निविदा को प्रभावित करने के लिए लगाए गए। संविदाकार फर्म अल्का कांस्ट्रक्शन द्वारा कहा गया है कि सरकार की मंशा है कि ज्यादा से ज्यादा प्रतिष्पर्धा निविदा में रहे इस वजह से विशेष शर्त नहीं लगाई जा सकती। उक्त मनमानी से सरकार को जब आर्थिक क्षति होगी इसकी जिम्मेदारी आखिर किस पर रहेगी।

देश में बढ़ती महंगाई पर बड़ी चिंता

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

कांग्रेस से बदल जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा जी की अध्यक्षता मे हुई ! इस चर्चा मे देश मे आज के हलात पर चर्चा हुई इस चर्चा मे बढती महंगाई पर पेपर लीक होने पर पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ने पर सी एन जी की कीमत इक हफ्ते मे 2 बार बढ़ने पर चर्चा हुई, अनिल शर्मा जी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह सरा जी ने कहा की राहुल गाँधी जी ने पहले ही देश को चेताया था के महंगाई का बोम्ब फटने वाला है क्योंकि सरकार का इस तरफ कोई ध्यान नही है कोई कंट्रोल नही है वो बात अब सच हुई लगाती है आगे चर्चा मे संगठन पर चर्चा हुई के संघठन को बढ़ाने पर विचार हुआ संघठन को घर घर पहुंचाने पर जोर दिया गया इसमें विभिन्न पदादिकारी जिसमे अनिल शर्मा जी सुखबीर सिंह प्रदेश महासचिव जसबीर पन्नू सरा प्रदेश सचिव बलजीत चौहान जिला महासचिव गुरमीत सिंह ब्लॉक अध्यक्ष राजपाल सिंह शामिल थे

सरकारी अस्पताल की स्टाफ नर्स पर गंभीर आरोप, तीन गर्भवती महिलाओं को प्राइवेट क्लीनिक ले जाने का मामला

» किलकारी क्लीनिक सील, स्वास्थ्य विभाग ने की कार्रवाई

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर । उत्तर प्रदेश/जनपद के थाना गंज क्षेत्र के नानकार इलाके में स्थित किलकारी क्लीनिक को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए सील कर दिया है। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। परिजनों का आरोप है कि सरकारी अस्पताल में तैनात एक स्टाफ नर्स ने तीन गर्भवती महिलाओं को नॉर्मल डिलीवरी का भरोसा दिलाकर सरकारी अस्पताल से बाहर ले जाकर प्राइवेट किलकारी क्लीनिक में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि क्लीनिक में प्राइवेट ट्रेनिंग/अनधिकृत रूप से डिलीवरी कराने का कार्य चल रहा था। परिजनों का कहना है कि नर्स द्वारा यह कहकर ले जाया गया कि डिलीवरी सामान्य तरीके से हो जाएगी और कोई परेशानी नहीं होगी, लेकिन लापरवाही के चलते एक महिला के गर्भ में ही बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने हंगामा करते हुए स्वास्थ्य विभाग से शिकायत की। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और क्लीनिक में अनियमितताएं पाए जाने पर किलकारी क्लीनिक को सील कर दिया गया। परिजनों ने मांग की है कि सरकारी अस्पताल की संबंधित स्टाफ नर्स पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाए और क्लीनिक संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य मरीज के साथ ऐसा न हो। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच जारी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के बाद क्यूबा पर अमेरिकी हमले का खतरा, सरकार ने जंग के लिए तैयार रहने को कहा

हवाना। अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के प्रमुख जॉन रैटक्लिफ की हवाना यात्रा के बाद क्यूबा में अमेरिकी हमले की आशंका बढ़ गई है। क्यूबा सरकार ने संभावित सैन्य टकराव को देखते हुए युद्ध जैसी तैयारियां तेज कर दी हैं। देशभर में लोगों को गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग दी जा रही है और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, हवाना में कई सरकारी इमारतों को संभावित अमेरिकी हमले की स्थिति में तैयारी के निर्देश दिए गए हैं। क्यूबा लंबे समय से अमेरिकी तेल नाकेबंदी और आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई इलाकों में बिजली कटौती, ईंधन संकट और जरूरी सामानों की कमी बनी हुई है। क्यूबा के सरकारी मीडिया में आम नागरिकों को सैन्य प्रशिक्षण लेते हुए दिखाया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, लोगों को पूर्व राष्ट्रपति फिदेल कास्त्रो की 'पूरी आबादी की लड़ाई' की रणनीति के तहत गुरिल्ला युद्ध सिखाया जा रहा है। कुछ वीडियो में सैनिक पुराने सोवियत हथियारों के साथ अभ्यास करते दिखाई दिए। एक वीडियो में एंटी-एयरक्राफ्ट गन को बैलों से खींचते हुए भी दिखाया गया। सैन्य इतिहासकार हाल क्लेपाक ने CNN से कहा कि आधुनिक हथियारों की कमी के बावजूद क्यूबा की सेना अमेरिकी हमले का लंबा प्रतिरोध कर सकती है। उनके मुताबिक, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी क्यूबा ने बड़े स्तर पर लोगों को संगठित करने की क्षमता दिखाई है।

कैलाश मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्री पहुंचने लगे नेपाल

काठमांडू। भारत से कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाली तीर्थयात्रियों का नेपाल आगमन शुरू हो गया है। पिछले चार दिनों में 169 तीर्थयात्रियों ने नेपाल के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा में जाने के लिए पंजीकरण कराया है। तीर्थयात्री पश्चिमी नेपाल के नेपालगंज से सिमकोट और वहां से हिल्सा तक हवाई मार्ग से पहुंच रहे हैं। हिल्सा को चीन स्थित कैलाश मानसरोवर यात्रा का प्रवेश द्वार माना जाता है। सिमकोट एयरपोर्ट प्रमुख महेन्द्र सिंह के अनुसार, १४ मई से अब तक १६९ भारतीय नागरिक और 22 अन्य देशों के नागरिक पहुंचे हैं। खराब मौसम के बावजूद शनिवार को समिट एयर की तीन उड़ानों के जरिए 47 तीर्थयात्री सिमकोट पहुंचे। रविवार को मौसम में सुधार होने के साथ तीर्थयात्रियों को सिमकोट ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आवश्यक अनुमति पत्र (परमिट) न होने के कारण कुछ विदेशी यात्री कैलाश मानसरोवर की आगे की यात्रा जारी नहीं रख सके जिसके कारण इन सबको वापस भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कोविड-19 प्रतिबंधों के बाद हिल्सा मार्ग दोबारा खुलने से यात्रा को लेकर लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। पिछले वर्ष चीन द्वारा मार्ग खोले जाने के बाद लगभग 6,500 भारतीय तीर्थयात्रियों ने इस रास्ते से कैलाश मानसरोवर तक की यात्रा की थी। इस वर्ष १४ मई से तीर्थयात्रा सीजन की शुरुआत हुई है।

नेपाल में चीनी की कमी नहीं होगी, उपभोक्ता चिंता न करें, उद्यमियों के संगठन का दावा और अपील

काठमांडू। भारत द्वारा चीनी निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर नेपाल के चीनी उद्योग संघ ने दावा किया है कि नेपाल में चीनी की कमी नहीं होगी। संघ ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि देश में पर्याप्त मात्रा में चीनी का भंडार मौजूद है। संघ ने अपील की है कि उपभोक्ता चिंता न करें। चीनी उद्योग संघ के अनुसार, चालू सीजन में संचालित 13 चीनी उद्योगों से करीब 1 लाख 90 हजार 870 टन चीनी का उत्पादन हुआ है। इनमें से 28 वैशाख तक के आंकड़ों के अनुसार उद्योगों के पास अभी भी 1 लाख 8 हजार टन चीनी का भंडार मौजूद है। उद्योगपतियों के भंडार के अलावा बाजार में व्यवसायियों के पास करीब 20 हजार टन तथा चालू आर्थिक वर्ष में आयात की गई लगभग 60 से 70 हजार टन चीनी भी उपलब्ध है। संघ ने कहा कि खुली सीमा से भी चीनी का आयात जारी है, इसलिए अगले क्रसिंग सीजन तक नेपाल में चीनी की उपलब्धता पर्याप्त रहने का दावा किया गया है। संघ ने स्पष्ट किया कि चीनी की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण फिलहाल फैक्टरी स्तर पर चीनी की कीमतों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है, "देश में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध और भंडारित होने के कारण तत्काल फैक्टरी स्तर पर कीमत नहीं बढ़ेगी।" भारत के निर्यात प्रतिबंध के कारण बाजार में कृत्रिम कमी पैदा होने की आशंका जताते हुए संघ ने संबंधित पक्षों से अनावश्यक रूप से चीनी का भंडारण न करने और न करवाने की भी अपील की है। संघ ने सभी को आश्वस्त किया है कि भारत के फैसले से नेपाली बाजार में चीनी की आपूर्ति और उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

तमिलनाडु सीएम विजय से मिले कमल हासन, 6 मांगें रखीं

चेन्नई। अभिनेता और नेता कमल हासन ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मुलाकात की। उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी छह मांगें विजय के सामने रखीं। हासन ने राज्य सरकार से तमिल फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री के लिए सरकारी OTT प्लेटफॉर्म शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे दर्शकों को कम कीमत पर कंटेंट देखने का मौका मिलेगा। हासन ने सोशल मीडिया पर सीएम विजय के साथ मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि आज उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भाई विजय से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। हासन ने पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु के विकास से जुड़े कई सपने बड़े उत्साह के साथ साझा किए। बैठक के दौरान दिखाई गई विनम्रता और स्नेह से उन्हें गर्व महसूस हुआ। तमिल फिल्म इंडस्ट्री इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रही है और उसे तमिलनाडु सरकार के सहयोग व समर्थन की जरूरत है। उन्होंने अंत में लिखा, ईश्वर करे, अच्छाई हमेशा बनी रहे। सरकारी तमिल OTT प्लेटफॉर्म शुरू हो- राज्य सरकार से तमिल फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री के लिए सरकारी OTT प्लेटफॉर्म शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे दर्शकों को कम कीमत पर कंटेंट देखने का मौका मिलेगा। 4% एंटरटेनमेंट टैक्स हटाया जाए- फिल्म बनाने, रिलीज करने और थिएटर चलाने का खर्च बढ़ गया है। इसलिए 4 % एंटरटेनमेंट टैक्स हटाया जाना चाहिए।

लखनऊ में वकीलों पर लाठीचार्ज, पथराव, कोर्ट के बाहर चैंबर पर बुलडोजर चलता देख भड़के, पुलिस ने खदेड़ा

लखनऊ। लखनऊ जिला कोर्ट के बाहर रविवार दोपहर जमकर हंगामा हुआ। बुलडोजर से चैंबर तोड़े जाने के विरोध में वकील भड़क गए। कई वकील बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। पुलिस अफसरों ने हटाने की कोशिश की, तो बहस होने लगी। बहस बढ़ी, तो पुलिस ने वकीलों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर लाठियां बरसाईं। इस दौरान भीड़ में से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिसवाले भी पत्थर उठाते नजर आए। दरअसल, हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट के बाहर अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। नगर निगम ने 240 अवैध निर्माण चिह्नित किए थे। इनमें ज्यादातर वकीलों के चैंबर और दुकानें हैं। रविवार सुबह 9 बजे नगर निगम की टीम 10 बुलडोजर और 300 पुलिसवालों के साथ पहुंची। टीम ने करीब 90 चैंबर तोड़ दिए। नगर निगम की टीम चैंबर में लगी चटाइयां और कुर्सियां को गाड़ियों में भरकर ले गई। कार्रवाई के दौरान ही एक वकील ने चैंबर बंद कर फंदे से लटकने की कोशिश की। पुलिसकर्मियों ने बगल का चैंबर तोड़कर उसे बाहर निकाला।

टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी गुजरात देश का नेतृत्व करेगाः शाह

एजेंसी, अहमदाबाद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' तथा 'गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' का लोकार्पण करते हुए कहा कि जिस प्रकार गुजरात ने आजादी के समय से देश को दिशा दी है, उसी प्रकार अब तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी गुजरात पूरे देश का नेतृत्व करेगा।

अमित शाह ने कहा कि गुजरातियों के स्वभाव में विकास और प्रगति रची-बसी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात अब केवल उत्पादन आधारित राज्य नहीं रहेगा, बल्कि सेवा, ज्ञान और आधुनिक तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का वैश्विक केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज लोकार्पित किए गए दोनों प्रकल्प राज्य के युवाओं को नए अवसर प्रदान करेंगे और गुजरात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि यह तकनीकी नगर अहमदाबाद-गांधीनगर उच्च विकास पट्टी में लगभग 65 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जहां उच्च स्तरीय कार्यालय, आवासीय सुविधाएं, व्यापारिक परिसर तथा आतिथ्य सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इस परियोजना के माध्यम से 70 हजार से अधिक युवाओं को उच्च कौशल आधारित रोजगार मिलने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्रमानव तकनीक, अर्धचालक निर्माण तथा आधुनिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में गुजरात तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह परियोजना राज्य में नई तकनीक, अनुसंधान और नवाचार को मजबूत आधार प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गुजरात सेवा क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

उन्होंने 'गणेश रियल एस्टेट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट' को आधुनिक शहरी विकास और निर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां नई तकनीक आधारित शिक्षा और वैश्विक मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात अब ज्ञान, नवाचार और तकनीक आधारित विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि आने वाला समय गुजरात का है और राज्य वैश्विक निवेश तथा आधुनिक उद्योगों का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। कार्यक्रम में अनेक उद्योगपति, निवेशक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कुआलालंपुर एयरवेज की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ **नीदरलैंड से हैदराबाद आ रही थी, एयरपोर्ट हाईअलर्ट पर, 4 दिन में तीसरी घटना**

हैदराबाद एयरपोर्ट पर नीदरलैंड से आ रही कुआलालंपुर एयरवेज की एक फ्लाइट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी के बाद से पूरा हैदराबाद एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर है। मेल में दावा किया गया कि प्लेन में बम है, जो कभी भी फट सकता है। हालांकि फ्लाइट सुरक्षित हैदराबाद पहुंच गई। इससे पहले शुक्रवार शाम 6:30 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट पर बम की धमकी का एक ईमेल मिला था। जिसके बाद पूरे एयरपोर्ट की जांच हुई थी। इसमें कहा गया था कि मलेशिया से हैदराबाद आने वाली एयरएशिया की एक फ्लाइट को उसके पहुंचने से पहले ही बम से उड़ा दिया जाएगा।

4 दिन में तीसरी धमकीः गुरुवार को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आने वाली लुफ्थांसा फ्लाइट को लेकर भी एसी ही धमकी दी गई थी। यानी ये 4 दिन में तीसरी धमकी है। जिसके बाद से एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई हैं।

हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर जनवरी में भी बम धमाके की धमकी मिली थी। ये धमकी शारजाह से आ रही इंडिगो फ्लाइट 6E 1422 के लिए थी। एयरपोर्ट कस्टमर सपोर्ट पर दोपहर 2 बजे ईमेल आया। इसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग हुई।

तेलंगाना के यादाद्री थर्मल पावर स्टेशन में भीषण आग, मुख्य उपकरण क्षतिग्रस्त

एजेंसी, हैदराबाद

राज्य के नलगोंडा स्थित यादाद्री अल्ट्रा मेगा थर्मल पावर स्टेशन में भीषण आग लग गई। इसमें अभी तक किसी जानहानि की सूचना नहीं है। कर्मचारियों की सतर्कता से आग पर काबू पा लिया गया है।तेलंगाना पावर जेनेरेशन कार्पोरेशन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। बताया गया कि रविवार को याददी अल्ट्रा मेगा थर्मल पावर स्टेशन (वाईएटीपी) के संयंत्र में यूनिट 3 के स्थान पर टरबाइन-चालित बॉयलर फीड पंप के पास आग भड़की थी। आग लगते ही संयंत्र में काम कर रहे कर्मचारी और अधिकारी अपनी जान बचाने के लिए वहां से भाग निकले। हालांकि, संयंत्र के कर्मचारियों की सतर्कता से आग पर काबू पा लेने के कारण टरबाइन और बॉयलर सहित मुख्य उपकरण आग की चपेट में आने से बच गए।

प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि पंप में लुब्रिकेशन ऑयल के रिसाव के कारण आग लगी थी। तेल रिसाव के कारण संयंत्र क्षेत्र में घना धुआं फैल गया। जिससे कुछ मुख्य उपकरण व्यापक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने दावा किया कि इस घटना में कोई जनहानि या कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आग में कंट्रोल केबल और वाल्व समेत कुछ मुख्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

तेलंगाना पावर जेनेरेशन कार्पोरेशन के अधिकारी घटना के कारणों और हुए नुकसान का पता लगाने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि घटना की आंतरिक जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं।

भारत में घुसपैठ के बाद आतंकी हेयर ट्रांसप्लांट कराने पहुंचा, स्लीपर सेल नेटवर्क बनाने आया था

एजेंसी, श्रीनगर

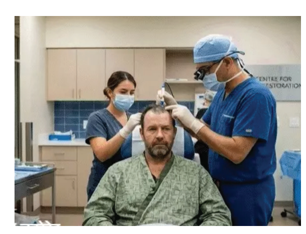

♦ **जांच एजेंसी से बोला- कश्मीर देखकर मकसद बदल गए**

भारत में आतंकी हमलों को अंजाम देने के मकसद से घुसे लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के एक पाकिस्तानी आतंकी ने अपना सपना पूरा करने के लिए मिशन को बीच में रोक दिया। आतंकी ने श्रीनगर में हेयर ट्रांसप्लांट कराया और फर्जी आधार-पैन बनवाकर भारत से भागने की योजना बना रहा था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने रविवार को बताया कि आतंकी का नाम मोहम्मद उस्मान जट्ट उर्फ 'चाइनीज' है। पिछले महीने श्रीनगर पुलिस ने जट्ट और अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा को गिरफ्तार किया था। दोनों पर जम्मू-कश्मीर से बाहर स्लीपर बेस तैयार करने का आरोप है। बाद में जांच NIA को सौंप दी गई। NIA की पूछताछ में जट्ट ने दावा किया कि कश्मीर की असली जिंदगी देखने के बाद उसके मकसद पूरी तरह बदल गए। उसने बताया कि पाकिस्तान में लश्कर के ट्रेनिंग कैंपों में उसे कश्मीर को लेकर जो बताया गया था, वहां तस्वीर बिल्कुल अलग थी।

भारत में स्लीपर सेल नेटवर्क बनाने आया था आतंकीः अधिकारियों के मुताबिक, उस्मान जट्ट लाहौर का रहने वाला है और लश्कर का प्रशिक्षित ऑपरेटिव है। वह उत्तर और मध्य कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा। उसे भारत में घुसपैठ के बाद जम्मू-कश्मीर के बाहर आतंकियों का स्लीपर सेल नेटवर्क बनाने का काम सौंपा गया था। NIA के अनुसार, जट्ट भारत में घुसने के बाद श्रीनगर की ऊपरी पहाड़ियों में रहा। इस दौरान उसकी मुलाकात पाकिस्तानी आतंकियों- जरगाम और अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा से हुई। अबू हुरैरा लश्कर से जुड़ा पुराना आतंकी है।

दुकानदार से हेयर ट्रांसप्लांट की जानकारी मिलीः जट्ट के मुताबिक, आतंकी जरगाम श्रीनगर में उसे एक दुकान पर ले गया और बताया कि दुकान का मालिक भरोसेमंद व्यक्ति है। दुकानदार से बातचीत के दौरान जट्ट को पता चला कि उसने हेयर ट्रांसप्लांट कराया है। इसके बाद आतंकी जट्ट ने भी हेयर ट्रांसप्लांट ट्रीटमेंट लेने का फैसला किया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, वह कई सालों से गंभीर हेयर लॉस की समस्या से जूझ रहा था। वह हेयर ट्रांसप्लांट कराना चाहता था, लेकिन उसे लगता था कि यह सुविधाएं सिर्फ पश्चिमी देशों में ऊंचे दामों पर मिलती है। आतंकी ने अधिकारियों को बताया कि वह दुकानदार के संपर्क में रहा और उससे हेयर ट्रांसप्लांट कराने में मदद मांगी। इसके बाद वह दुकानदार उसे शहर के भीतर ही एक क्लिनिक ले गया, जहां आतंकी का हेयर ट्रांसप्लांट किया गया। इस दौरान कई सेशन हुए। इसके लिए आतंकी को कई बार क्लिनिक में रातभर रुकना भी पड़ा। ट्रांसप्लांट के बाद जट्ट पैसेंजर गाड़ी से जम्मू गया और फिर स्लीपर बस से पंजाब के मालेरकोटला पहुंचा। वहां उसने तुर्की के टीवी शो देखे और अंग्रेजी सीखने की कोशिश की।

राहुल बोले-पीएम ने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त क्यों नहीं किया

एजेंसी, नई दिल्ली

राहुल गांधी ने रविवार को NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले पर केंद्र सरकार से सवाल किया। उन्होंने X पोस्ट में लिखा, 'पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द नहीं हुई, CBI ने जांच बिठाई। बार-बार फेल हो रहे शिक्षा मंत्री को पीएम मोदी बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं।' राहुल ने आगे लिखा- NEET 2026 का पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने फिर इस्तीफा नहीं दिया। CBI फिर जांच कर रही है। मोदी जी देश आपसे सवाल पूछ रहा है- जवाब दो, बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? बार-बार इस 'परीक्षा पे चर्चा' पर आप चुप क्यों हैं?

इधर, पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 9वीं आरोपी को CBI ने राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट ने बॉटनी टीचर मनीषा मंधारे को 14 दिन की कस्टडी में भेज दिया है। पुणे की बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा को दिल्ली में CBI हेडक्वार्टर में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था।

मंधारे NTA की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा रहीः एजेंसी का दावा है कि मंधारे NTA की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा थीं। वह जानती थीं कि एग्जाम में कौन से सवाल आएंगे। उसने एग्जाम से पहले पुणे में स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। वहां छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के सवाल नोट करवाए थे। जांच में यह भी सामने आया है कि मंधारे ने पुणे से गिरफ्तार ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे के जरिए NEET देने वाले स्टूडेंट्स को अपने कोचिंग में एडमिशन दिलाया था। CBI ने इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने रविवार को नांदेड़ में एक आरोपी के फ्लैट पर छापा मारा है।

दालमंडी चौड़ीकरण के लिए छह मस्जिदों को शिफ्ट करने के निर्देश

निर्माण के लिए जमीन व धन मुहैया कराएगा प्रशासन

एजेंसी, वाराणसी

दालमंडी चौड़ीकरण अभियान को लेकर लोक निर्माण विभाग ने दालमंडी की छह मस्जिदों को कही और शिफ्ट करने के निर्देश दिए हैं, ऐसा नहीं होने पर कार्रवाई होगी। शिफ्ट करने के लिए इन मस्जिदों को जमीन और निर्माण का धन मुहैया कराने की बात कही है। लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता केके सिंह ने रविवार को कहा कि दालमंडी के चौड़ीकरण कार्य में 75 मकानों और छह मस्जिदों को

हटाया जाना है। उन्होंने बताया कि दालमंडी की छह मस्जिदों को कही शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं, ऐसा नहीं होने पर कार्रवाई होगी। मस्जिद समितियों को नोटिस दी जा चुकी है। अधिशासी अभियंता सिंह ने बताया कि इन छह मस्जिदों के लिए अगर समितियां चाहेगी तो प्रशासन उन्हें जमीन और नई जगह निर्माण का धन मुहैया कराएगा।

उन्होंने बताया कि दालमंडी चौड़ीकरण के लिए लंगड़े हाफिज मस्जिद, संगमरमर वाली मस्जिद, अली रजा खान मस्जिद, निसारन मस्जिद, शाह मस्जिद और करीमुल्लाह बेग मस्जिद को चिन्हित किया गया है। लोक निर्माण विभाग नियम के अनुसार इनकी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर सकता है। जिसके बाद चौड़ीकरण का कार्य समाप्त होगा। कार्य समाप्त होने पर तीन महीने नवीन कार्य निर्माण में लगेंगे। बताया गया है कि इन मस्जिदों को शिफ्ट करने के लिए मस्जिद समितियों ने कुछ समय मांगा है तो कुछ वही मस्जिद वहीं रहने के लिए अड़े हुए हैं।

भगवान रुद्रनाथ की देव डोली हिमालय के लिए हुई रवाना, 18 मई को खुलेंगे कपाट

एजेंसी, देहरादून

चमोली जनपद में स्थित पंच केदारों में चतुर्थ केदार भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह डोली रविवार को अपने शीतकालीन गद्दी स्थल गोपीनाथ मंदिर, गोपेश्वर से मध्य हिमालय स्थित रुद्रनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गई।

मंदिर के मुख्य पुजारी हरीश भट्ट ने बताया कि रुद्रनाथ मंदिर के कपाट सोमवार 18 मई को मध्याह्न में परंपरानुसार एवं वैदिक विधि-विधान के साथ ग्रीष्मकाल के लिए खोले जाएंगे। कपाट खुलने के बाद श्रद्धालु भगवान रुद्रनाथ के एकानन स्वरूप के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकेंगे। आज

कपाट खुलने की प्रक्रिया के तहत गोपीनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। पूजा के बाद भगवान रुद्रनाथ की देव डोली जयकारों, पुष्प वर्षा और सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालुओं के साथ मंदिर के लिए प्रस्थान कर गई।

इस अवसर पर चमोली के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, थराली विधायक भूपाल राम, राज्यमंत्री हरक सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट, नगरपालिका अध्यक्ष संदीप रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्तवाल, महामंत्री अरुण मैठाणी, विनोद कनवासी, मंदिर समिति अध्यक्ष मनोज भट्ट, जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार सहित बड़ी संख्या ओं श्रद्धालु उपस्थित थे।

छग के दंतेवाड़ा में डीजल नहीं मिलने से लौह अयस्क से भरे करीब 1600 ट्रकों के पहिए थमे

एजेंसी, दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिला स्थित देश की प्रमुख लौह अयस्क परियोजना एनएमडीसी बैलाडीला में डीजल की किल्लत से परिवहन व्यवस्था लगभग ठप पड़ गई है। किरंदुल और बचेली क्षेत्र में लगभग 1600 ट्रक पिछले दो दिनों से डीजल के अभाव में खड़े हैं। इससे लौह अयस्क की ढुलाई पूरी तरह प्रभावित हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने भी डीजल की कमी को स्वीकारा है, लेकिन आज शाम तक व्यवस्था के सुचारु होने का दावा किया है। दंतेवाड़ा की किरंदुल और बचेली खदानों में ट्रकों में लौह अयस्क की लोडिंग तो हो रही है, लेकिन डीजल नहीं मिलने के कारण वाहन रवाना नहीं हो पा रहे हैं। देश की नवरत्न कंपनियों में से एक एनएमडीसी की दंतेवाड़ा के किरंदुल, बैलाडिला स्थित लौह अयस्क खदान देश की सबसे बड़ी खदानों में गिनी जाती हैं। यहां से प्रति दिन लाखों टन लौह अयस्क का परिवहन सैकड़ों ट्रकों के माध्यम से रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और विशाखापट्टनम के लिए जाते हैं, लेकिन अब इन वाहनों की ट्रांसपोर्ट नगरों के साथ-साथ सड़क के दोनों ओर लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं। इसका कारण वाहनों में डीजल नही होना बताया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिले के 19 पेट्रोल पंपों में से केवल कुछ पर ही सीमित मात्रा में डीजल उपलब्ध है, जिनके द्वारा सीमित मात्रा में ही पेट्रोल-डीजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। ईंधन भरवाने के लिए ट्रकों, ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं। घंटों इंतजार के बाद भी कई बार खाली लौटना पड़ रहा है। डीजल की किल्लत की वजह से पिछले 2 दिनों से लौह अयस्कों की ढुलाई बंद हो चुकी है। इसके चलते बैलाडिला ट्रक यूनियन और बस्तर परिवहन संघ के सैकड़ों से अधिक ट्रकों के पहिये थमने की कगार पर पहुंच चुके हैं। हालत यह है कि रायपुर ट्रक यूनियन की भी सैकड़ों ट्रकें डीजल की किल्लत की वजह से ट्रांसपोर्ट नगरों में खड़े हैं। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि अगर जल्द डीजल आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो एनएमडीसी और बैलाडीला ट्रक ऑनर्स परिवहन संघ को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। एक ट्रांसपोर्टर ने बताया कि दो दिनों से ट्रक खड़े हैं। डीजल नहीं मिलने से पूरा परिवहन प्रभावित है। हालात जल्द नहीं सुधरे तो बड़ा नुकसान तय है।

पत्रकारिता का पतन या प्राथमिकताओं का संकट?

शम्स आगाज़

वर्तमान दौर में, जब दुनिया तेज़ी से सूचना क्रांति के प्रभाव में बदल रही है, मीडिया की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मीडिया केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जनचेतना के निर्माण, जनमत को दिशा देने और सरकारों को जवाबदेह बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है। यही कारण है कि इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। लेकिन जब यही स्तंभ कमजोर होने लगे, या अपनी मूल जिम्मेदारियों से भटक जाए, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा डगमगाने लगता है। आज हम ऐसे ही एक दौर से गुजर रहे हैं, जहां मीडिया की भूमिका, उसकी स्वतंत्रता और उसकी प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में Reporters Without Borders द्वारा जारी वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2026 विशेष चर्चा का विषय बना। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को 157वां स्थान प्राप्त हुआ है, जो न केवल चिंताजनक है बल्कि यह भी दर्शाता है कि देश में पत्रकारिता की स्वतंत्रता किन चुनौतियों से गुजर रही है। जब हम इस रैंकिंग की तुलना पड़ोसी देशों से करते हैं तो स्थिति और स्पष्ट हो जाती है। नेपाल 87वें, श्रीलंका 134वें, भूटान 150वें, बांग्लादेश 152वें और पाकिस्तान 153वें स्थान पर हैं, जबकि भारत इन सभी से पीछे 157वें स्थान पर खड़ा है। यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि एक वैचारिक और व्यावहारिक संकट का संकेत है। स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या वास्तव में भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में मीडिया की स्वतंत्रता सीमित हो रही है? या यह केवल किसी बाहरी संस्था की राय है, जिसे अधिक महत्व नहीं दिया जाना चाहिए? सच्चाई यह है कि इस रैंकिंग को पूरी तरह खारिज कर देना समस्या से आंखें चुराने जैसा होगा। इसके बजाय, हमें इसके कारणों को समझने और उन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। सबसे पहले हमें मीडिया की वर्तमान प्राथमिकताओं का विश्लेषण करना होगा। आज का मीडिया, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, काफी हद तक सनसनीखेज और विवाद आधारित खबरों को प्राथमिकता देता है। टीवी डिबेट्स को देखिए, जहां अक्सर चर्चा का केंद्र यह होता है कि किस नेता ने किसके बारे में क्या कहा और दूसरे पक्ष ने उसका क्या जवाब दिया। इन बहसों में न तो गंभीर तर्क होते हैं और न ही किसी समस्या का समाधान खोजने की कोशिश। बल्कि यह एक शोरगुल का मंच बनकर रह जाता है, जहां हर व्यक्ति अपनी आवाज़ ऊंची करने में लगा रहता है। यही वह बिंदु है जहां हमारा मूल प्रश्न जन्म लेता है: क्या मीडिया का काम अब केवल बयानबाज़ी दिखाना रह गया है? यदि ईमानदारी से उत्तर दिया जाए तो कहना पड़ेगा कि काफी हद तक यही हो रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएं और मजदूरों की परेशानियां जैसे जनहित के मुद्दे मीडिया की प्राथमिकताओं में पीछे छूट चुके हैं। अगर कभी इन विषयों पर चर्चा होती भी है तो वह अस्थायी और सतही होती है, जिसमें न गहराई होती है और न निरंतरता। बेरोजगारी का मुद्दा ही ले लीजिए, जो आज के युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उचित रोजगार से वंचित हैं। लेकिन मीडिया में इस पर लगातार और गंभीर बहस का अभाव दिखाई देता है। इसके विपरीत राजनीतिक बयानबाज़ी घंटों तक प्रसारित की जाती है। इसी प्रकार महंगाई, जिसने आम आदमी का जीवन कठिन बना दिया है, मीडिया में केवल एक तात्कालिक खबर बनकर रह जाती है। न तो उसके कारणों पर विस्तार से चर्चा होती है और न ही उसके समाधान पर कोई सार्थक विमर्श। इस स्थिति के पीछे कई कारण काम कर रहे हैं। सबसे बड़ा कारण टीआरपी की दौड़ है। मीडिया संस्थान इस बात को प्राथमिकता देते हैं कि कौन-सी खबर अधिक देखी जाएगी और किससे ज्यादा दर्शक मिलेंगे। सनसनीखेज और विवादित खबरें दर्शकों को अधिक आकर्षित करती हैं, इसलिए उन्हें बार-बार दिखाया जाता है। इस प्रक्रिया में पत्रकारिता के मूल मूल्य पीछे छूट जाते हैं। दूसरा बड़ा कारण मीडिया पर बढ़ता राजनीतिक और कॉर्पोरेट दबाव है। कई मीडिया संस्थान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शक्तिशाली समूहों के प्रभाव में होते हैं, जिसके कारण वे ऐसे मुद्दों को उठाने से बचते हैं जो उनके हितों के खिलाफ हों। परिणामस्वरूप मीडिया एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संस्था बनने के बजाय एक विशेष विचारधारा या एजेंडा प्रस्तुत करने का माध्यम बन जाता है। ये सभी कारण मिलकर उस स्थिति को जन्म देते हैं, जिसका प्रतिबिंब हमें वैश्विक रैंकिंग में दिखाई देता है। 157वां स्थान केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि हमें अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करना होगा। यदि मीडिया स्वतंत्र नहीं रहेगा, या अपनी जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करेगा, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ जाएगा। इसके प्रभाव केवल मीडिया तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे समाज पर पड़ते हैं। जब जनता को सही और पूर्ण जानकारी नहीं मिलती, तो उनकी राय भी प्रभावित होती है। वे ऐसे निर्णय लेते हैं जो अधूरी जानकारी पर आधारित होते हैं। इस प्रकार लोकतंत्र का मूल सिद्धांत — जागरूक और सूचित नागरिक — कमजोर हो जाता है। हालांकि इस निराशाजनक तस्वीर में कुछ सकारात्मक पहलू भी मौजूद हैं। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया ने कुछ हद तक वैकल्पिक मंच प्रदान किए हैं, जहां स्वतंत्र पत्रकार और आम नागरिक अपनी आवाज़ उठा सकते हैं। कई ऐसे मुद्दे, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया जगह नहीं देता, वे सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आते हैं। लेकिन यहां भी सावधानी की आवश्यकता है, क्योंकि सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और अफवाहों का प्रसार भी एक बड़ी समस्या बन चुका है। इसलिए समाधान केवल मीडिया की आलोचना में नहीं, बल्कि एक व्यापक सुधार प्रक्रिया में है। सबसे पहले मीडिया संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी का एहसास करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि उनका मूल कार्य जनता के मुद्दों को उजागर करना और सच्चाई को सामने लाना है, न कि केवल सनसनी पैदा करना। इसके लिए संपादकीय नीतियों में बदलाव, पत्रकारों का प्रशिक्षण और पेशेवर मूल्यों का पालन आवश्यक है। साथ ही सरकारों को भी चाहिए कि वे मीडिया की स्वतंत्रता का सम्मान करें और ऐसे कानूनों या कदमों से बचें जो पत्रकारिता को सीमित करते हों। एक स्वतंत्र मीडिया ही सरकार के लिए आईने का काम करता है, जो उसकी कमियों को उजागर करता है और उसे बेहतर बनने में मदद करता है। इस पूरी प्रक्रिया में जनता की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब तक दर्शक और पाठक गंभीर और गुणवत्तापूर्ण पत्रकारिता को प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक मीडिया भी अपनी दिशा नहीं बदलेगा। हमें यह तय करना होगा कि हम क्या देखना और सुनना चाहते हैं — सनसनीखेज बयानबाज़ी या वास्तविक मुद्दों पर आधारित सार्थक विश्लेषण? भारत की 157वीं रैंकिंग को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए — ऐसा अवसर, जो हमें अपनी गलतियों को समझने और उन्हें सुधारने का मौका देता है। यदि हम इस चेतावनी को गंभीरता से लें और अपनी प्राथमिकताओं को सही दिशा दें, तो हम न केवल अपनी रैंकिंग बेहतर कर सकते हैं बल्कि एक मजबूत, जागरूक और संतुलित लोकतांत्रिक समाज भी बना सकते हैं। यह समय आत्ममंथन का है। यह समय यह तय करने का है कि मीडिया की वास्तविक भूमिका क्या होनी चाहिए। क्या वह केवल बयानों की लड़ाई दिखाने वाला मंच रहेगा, या जनता की आवाज़ बनकर उनके मुद्दों को दुनिया के सामने लाएगा? इसी प्रश्न का उत्तर हमारे भविष्य की दिशा तय करेगा।

एडिटर, द कवरेज
9716518126
shamsaghazrs@gmail.com

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, दोइज, सोमवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, शुभ योगे, वालव करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 58/60 सर्वार्थ सिद्ध योग, चंद्र दर्शन सर्वार्थ सिद्ध योग, 21/35 औषधि सेवन प्रा. बीजबमन तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल.- आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शिक्षक, कमीशन एजेन्ट, बैंक कर्मचारी, लिपिक, क्लर्क, अकाउन्टेंट, अकाउंट ऑफिसर, बैंक प्रबंधक तथा उत्तम कार्यकर्ता, व्यवसायी होवेगा।

मेष राशि :- कार्य बाधा, स्वभाव में उद्विघ्नता, दुःख अवश्य ही बनेगा, ध्यान दें।

वृष राशि :- आरोप से बचें, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति अवश्य बनेगी।

मिथुन राशि :- योजनाऐं पूर्ण होंगी, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कर्क राशि :- मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्यगति में सुधार होवे, चिन्ताऐं कम होंगी।

सिंह राशि :- सामर्थ्य और धन अस्त-व्यस्त हो, सतर्कता से कार्य अवश्य ही निपटा ले।

कन्या राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक हो, कार्यगति में सुधार होवे, चिन्ता कम हो।

तुला राशि :- मान-प्रतिष्ठा के साधन बनेंगे, स्त्री से सुख-शांति अवश्य ही बन जायेगी।

वृश्चिक राशि :- अग्नि-चोटादि का भय, व्यर्थ भ्रमण, धन व्यय होगा, रुके कार्य बनेंगे।

धनु राशि :- मानसिक क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, क्लेश तथा भय बना ही रहेगा।

मकर राशि :- विवादग्रस्त होने से बचें, तनाव व क्लेश, मानसिक अशांति बनेगी।

कुंभ राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा।

मीन राशि :- भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति, समय उल्लास से बीते तथा मनोवृत्ति उत्तम रहेगी।

“डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी”

डॉ.जया शुक्ला

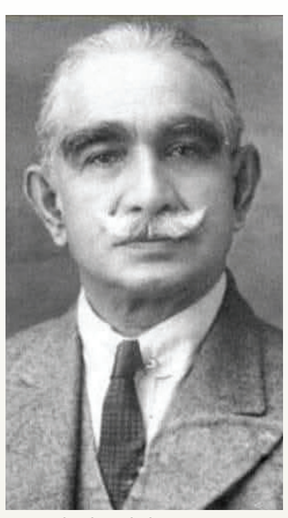

डॉ. मुख़्तार अहमद अंसारी नामी और ऊंची शोहरत के चिकित्सक और राष्ट्रवादी मुस्लिम नेता थे, जिनकी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में अविस्मरणीय भूमिका थी। 25 दिसम्बर 1880 को संयुक्त प्रान्त (अब उत्तर प्रदेश) के ग़ाज़ीपुर जिले में उनका जन्म हुआ। 1896 में उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर से हाई स्कूल की पढ़ाई के बाद अंसारी जी अपने भाइयों के पास हैदराबाद गए, जहाँ की शिक्षा व्यवस्था ग़ाज़ीपुर से बेहतर थी, और उच्च शिक्षा हासिल की। वह बहुत मेधावी विद्यार्थी थे, अतः उन्हेँ मद्रास मेडिकल कॉलेज में उस समय की निज़ाम स्कॉलरशिप से दाखिला मिला। एमडी और एमएस की डिग्री में भी सर्वोच्च स्थान पाने के बाद उन्हें लंदन के लॉक अस्पताल में रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया। यह पहली उपलब्धि किसी भारतीय के नाम रही। वह भारत के शुरुआती सर्जनोँ में थे। डॉ.अंसारी ने इसके बाद लॉक अस्पताल के साथ ही, लंदन के ही चैरिंग क्रॉस अस्पताल के लिए भी बेहतरीन सेवाएं दीं। फलस्वरूप आज भी चैरिंग क्रॉस अस्पताल में उनकी याद में अंसारी वॉर्ड बना हुआ है। उन्होंने मद्रास (वर्तमान चेन्नई) और इंग्लैंड में चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण की और ‘ एडिनबरा विश्वविद्यालय ‘ से अपनी शिक्षा पूरी की। तत्पश्चात कई साल तक लंदन के विभिन्न अस्पतालों में उन्हेंने काम किया। मद्रास में पढ़ाई के दौरान 1898 में पहली बार अंसारी साहब ने आनंद मोहन बोस की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में दर्शक के तौर पर हिस्सा लिया था। 1927 में जब मद्रास में अगली बार कांग्रेस का अधिवेशन हुआ तब खुद अंसारी साहब उसके अध्यक्ष थे। 29 सालों में, लंदन में रहते हुए, उनका जुड़ाव कांग्रेस के नेताओं से बना रहा। इसी जुड़ाव के चलते वह लंदन की सुख - सुविधा की ज़िंदगी छोड़कर भारत आए और मुस्लिम लीग व कांग्रेस से जुड़कर राजनीति में सक्रिय हुए। उन्होंने यहां भी अपनी मेडिकल प्रैक्टिस लगातार जारी रखी। प्रखर राष्ट्रवादी नेता अंसारी साहब खिलाफत आंदोलन के मुखर समर्थक रहे थे । बालकन युद्ध के समय तुर्की सैनिकों के इलाज के लिए मेडिकल मिशन में उनकी प्रमुख भूमिका थी। पश्चिमी क्रूरता के विरोध में छह महीनों तक भारतीयों, खासकर भारतीय मुस्लिमों ने ओटोमान साम्राज्य के सैनिकों के लिए यह मिशन चलाया था, जिसके तहत चंदे के ज़रिये मिली रकम से दवाएं और मेडिकल उपकरण तुर्की पहुंचाए गए थे। डॉ.अंसारी धर्म के आधार पर बँटवारे के समर्थक कभी नहीं थे । 1920 के दशक में जब मुस्मिल लीग में मुहम्मद अली जिन्ना का प्रभुत्व बढ़ा और बँटवारे की राजनीति को हवा मिलने लगी, तब डॉ.अंसारी ने महात्मा गाँधी के विचारोँ को तरजीह देते हुए कांग्रेस के साथ अपनी नज़दीकियाँ और मज़बूत कीँ और जिन्ना का विरोध किया। अंसारी जी की कोठी का नाम ही दारुस्सलाम (यानी ‘शांति का ठिकाना’) था। यहीँ डॉ.अंसारी की मेडिकल प्रैक्टिस चलती थी, साथ ही यहाँ पर राष्ट्रवादियोँ की पनाह भी थी। यह कोठी अरुणा आसफ अली और मनुभाई शाह जैसे क्रांतिकारियों के छुपने का ठिकाना भी होती थी। यहीं कांग्रेस की बैठकें हुआ करती थीँ। महात्मा गाँधी जब भी दिल्ली आया करते थे, यहाँ पर ठहरते थे। डॉ.अंसारी महात्मा गाँधी के अत्यन्त प्रिय पात्रोँ मेँ थे। जिस समय देश की शिक्षा पद्धति को अंग्रेज़ उपनिवेशवादियोँ ने ऐसा बना दिया था, कि वहाँ से निकले युवा शिक्षित होने के बाद उनकी ही सरकार का काम सँभाल सकने की नौकरी के योग्य बनेँ, तब भारतीय मूल्योँ के शिक्षण संस्थानोँ की आवश्यकता थी। डॉ.अंसारी ने बनारस मेँ “काशी विद्यापीठ” और दिल्ली मेँ “जामिया मिलिया” की स्थापना मेँ महत्वपूर्ण योगदान दिया। 10 मई, 1938 को डॉ.अंसारी ने इस दुनियाँ से विदा ले ली। कहते हैँ कि बड़ोँ के संस्कारोँ को अगली पीढ़ियाँ ग्रहण करती हैं। कम लोगों को पता होगा कि डॉ.अंसारी 1948 की भारत - पाकिस्तान जंग के हीरो, ‘नौशेरा के शेर’ कहलाने वाले ब्रिगेडियर उस्मान के नाना थे।

- जया शुक्ला

BRICS Summit 2026: क्या दुनिया अब बदलते शक्ति संतुलन की ओर बढ़ रही है?

सैयद इसरार हुसैन

नई दिल्ली की चमचमाती सड़कों पर जब दुनिया की उभरती ताकतें एक मंच पर इकट्ठा हुईं, तो यह सिर्फ एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी — यह आने वाले नए वैश्विक दौर की दस्तक थी। BRICS Summit में भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेताओं ने मिलकर दुनिया को यह संदेश दिया कि अब वैश्विक फैसलों में केवल पश्चिमी देशों की आवाज़ ही नहीं गूंजेगी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ जब दुनिया कई बड़े संकटों से जूझ रही है — रूस-यूक्रेन युद्ध, बढ़ती महंगाई, ऊर्जा संकट, आर्थिक मंदी और देशों के बीच बढ़ता तनाव। ऐसे माहौल में BRICS देशों की यह बैठक केवल एक संगठन की औपचारिकता नहीं, बल्कि दुनिया के नए शक्ति संतुलन की शुरुआत मानी जा रही है। बदलती दुनिया की नई तस्वीर दशकों तक अमेरिका और यूरोप वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र रहे। विश्व बैंक, IMF और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी पश्चिमी देशों का प्रभाव साफ दिखाई देता रहा। लेकिन अब एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई देश यह महसूस कर रहे हैं कि दुनिया के फैसलों में उनकी हिस्सेदारी उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए। नई दिल्ली में हुई BRICS बैठक ने इसी सोच को नई ताकत दी। India, China, Russia, Brazil और South Africa ने मिलकर यह संकेत दिया कि अब विकासशील देश केवल नियम मानने वाले नहीं, बल्कि नियम बनाने वाले भी बनना चाहते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में BRICS देशों की आबादी, संसाधन और आर्थिक ताकत दुनिया की दिशा तय करने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। आज BRICS देशों के पास दुनिया की लगभग आधी आबादी और वैश्विक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा मौजूद है। यही वजह है कि पूरी दुनिया की नजर इस सम्मेलन पर टिकी रही। डॉलर को चुनौती देने की तैयारी इस सम्मेलन का सबसे चर्चित मुद्दा था — अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना। कई BRICS देशों ने सुझाव दिया कि आपसी व्यापार अपनी-अपनी मुद्राओं में बढ़ाया जाए। अगर ऐसा होता है, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का दबदबा धीरे-धीरे कम हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर भारत और रूस रुपये और रूबल में व्यापार करते हैं, या चीन अपनी मुद्रा युआन का इस्तेमाल बढ़ाता है, तो अमेरिका की आर्थिक ताकत को चुनौती मिल सकती है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि डॉलर को पूरी तरह हटाना आसान नहीं होगा, क्योंकि आज भी दुनिया के अधिकांश व्यापार और विदेशी मुद्रा भंडार डॉलर पर आधारित हैं। लेकिन BRICS देशों की कोशिश यह दिखाती है कि दुनिया अब एक नई आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।

भारत बना “ग्लोबल साउथ” की आवाज़-इस सम्मेलन में भारत की भूमिका सबसे अहम रही। भारत ने खुद को केवल मेज़बान देश के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील देशों की आवाज़ के रूप में पेश किया। Narendra Modi ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया के गरीब और विकासशील देशों को केवल मदद नहीं, बल्कि बराबरी और सम्मान चाहिए। भारत ने खाद्य सुरक्षा, डिजिटल विकास, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्रांति और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव ने उसे BRICS के भीतर एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि कई विदेशी निवेशक अब भारत को भविष्य की आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं।

चीन और रूस की रणनीति- इस सम्मेलन में चीन और रूस की मौजूदगी भी बेहद महत्वपूर्ण रही। Xi Jinping और Vladimir Putin के लिए BRICS एक ऐसा मंच है जिसके जरिए वे पश्चिमी देशों के प्रभाव का मुकाबला करना चाहते हैं। रूस पर लगे पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद BRICS उसके लिए आर्थिक सहयोग का बड़ा जरिया बनकर उभरा है। वहीं चीन चाहता है कि वह एशिया और दुनिया में अपनी आर्थिक पकड़ और मजबूत करे। हालांकि BRICS देशों के बीच मतभेद भी हैं। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद, रूस-यूक्रेन युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियाँ इस संगठन के सामने मौजूद हैं। लेकिन इसके बावजूद सभी देशों का एक साथ बैठना यह दिखाता है कि साझा हित उन्हें जोड़कर रखे हुए हैं।

दुनिया पर क्या असर पड़ेगा?

1. वैश्विक व्यापार का नया दौर BRICS देशों के बीच व्यापार बढ़ने से दुनिया में नए आर्थिक रास्ते खुल सकते हैं। इससे एशिया और अफ्रीका के देशों को अधिक अवसर मिल सकते हैं।

2. डॉलर की ताकत पर असर अगर स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ा, तो अमेरिकी डॉलर की वैश्विक पकड़ धीरे-धीरे कमजोर हो सकती है।

3. पश्चिम बनाम BRICS प्रतिस्पर्धा दुनिया दो बड़े आर्थिक समूहों में बंटती दिखाई दे सकती है — एक तरफ अमेरिका और यूरोप, दूसरी तरफ BRICS देश।

4. विकासशील देशों की ताकत बढ़ेगी अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के छोटे देशों को अपनी बात रखने के लिए नया मंच मिल सकता है।

5. नई तकनीक और निवेश के अवसर BRICS देशों के बीच तकनीकी सहयोग और निवेश बढ़ने से रोजगार और व्यापार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

आम आदमी के लिए इसका क्या मतलब? कई लोगों को लगता है कि ऐसी अंतरराष्ट्रीय बैठकों का आम जिंदगी से कोई संबंध नहीं होता, लेकिन सच्चाई इससे अलग है। अगर BRICS देशों के बीच व्यापार आसान होता है, तो पेट्रोल, गैस, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य जरूरी चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है। भारत में विदेशी निवेश बढ़ सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही, डिजिटल भुगतान, टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी तेजी आ सकती है। लेकिन दूसरी ओर, अगर वैश्विक तनाव बढ़ता है, तो महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता भी बढ़ सकती है। इसलिए BRICS की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सदस्य देश आपसी सहयोग को कितनी मजबूती से आगे बढ़ाते हैं।

निष्कर्ष नई दिल्ली में हुई BRICS बैठक केवल नेताओं की तस्वीरों और भाषणों तक सीमित नहीं रही। यह उस बदलती दुनिया की कहानी है जहाँ नई ताकतें अपने भविष्य को खुद लिखना चाहती हैं। दुनिया अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शक्ति का संतुलन धीरे-धीरे बदलता दिखाई दे रहा है। और इस बदलाव के केंद्र में भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। अब सवाल यह नहीं कि दुनिया बदल रही है या नहीं — सवाल यह है कि यह बदलाव कितना तेज़ होगा, और आने वाले समय में BRICS दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था को कितनी नई दिशा

(सैयद इसरार हुसैन — सामाजिक कार्यकर्ता)

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी समुदाय की चमकता सितारा

शिवाली चैटली

वर्तमान में पंजाब मूल की सुश्री Shivali Chatley भारत यात्रा पर हैं। वे ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य के Greater Bendigo शहर की निर्वाचित काउंसलर हैं। ग्रेटर बेंडिगो, मेलबर्न शहर से लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित है। सुश्री शिवाली चैटली ने हमारे संवाददाता से विशेष बातचीत में विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए।

1) आप ऑस्ट्रेलिया कब गईं और वहां बसने का निर्णय क्यों लिया? मैं दो दशक से भी अधिक समय पहले एक बेहतर भविष्य और नए अवसरों के सपने के साथ ऑस्ट्रेलिया गई थी। ऑस्ट्रेलिया ने मुझे एक निष्पक्ष व्यवस्था, विविधता के प्रति सम्मान और व्यक्तिगत व व्यावसायिक विकास का अवसर दिया। धीरे-धीरे वह केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मेरा घर बन गया क्योंकि वहां की समुदाय और मूल्यों से मेरा गहरा जुड़ाव हो गया।

2) ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा पूरी करने के बाद आपने कौन-कौन से व्यवसाय और कार्य शुरू किए? शिक्षा पूरी करने के बाद मैंने आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से सीधे कार्यक्षेत्र में कदम रखा। मैंने अपना व्यवसाय शुरू किया, जिसे पिछले 26 वर्षों से सफलतापूर्वक चला रही हूं। इसमें फ्यूल स्टेशनों की श्रृंखला का संचालन भी शामिल है। शुरुआती समय संघर्ष, सीख और निरंतर मेहनत का था। इसी यात्रा ने मुझे लोगों, व्यवसाय और समाज की आवश्यकताओं को समझने का अनुभव दिया।

3) आपको ग्रेटर बेंडिगो सिटी की काउंसलर का चुनाव लड़ने की प्रेरणा कहां से मिली? मेरे भीतर हमेशा समाज को कुछ लौटाने की भावना रही है। वर्षों तक समुदाय के बीच रहने और काम करने के बाद मैंने महसूस किया कि कई लोगों की आवाज़ सही मंच तक नहीं पहुंच पाती। मैं उन लोगों की प्रतिनिधि बनना चाहती थी जो अक्सर खुद को अनसुना महसूस करते हैं। कर्म और सेवा में मेरी गहरी आस्था ने मुझे यह कदम उठाने की प्रेरणा दी।

4) मेलबर्न से लगभग 150 किलोमीटर दूर एक्सडेल वार्ड के लोगों से आपका जुड़ाव किस प्रकार बना रहता है? लोगों से जुड़ाव का सबसे बड़ा माध्यम है — उनके बीच उपस्थित रहना। मैं नियमित रूप से स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेती हूं, सामुदायिक पहलों का समर्थन करती हूं और लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनती हूं। चाहे ग्रामीण क्षेत्र की समस्याएं हों, आधारभूत सुविधाओं का मुद्दा हो या सांस्कृतिक समावेशन की बात — मैं सुनिश्चित करती हूं कि हर व्यक्ति की आवाज़ सुनी जाए। मेलबर्न से दूरी हमारी पहचान को और मजबूत बनाती है।

5) जीवन में आपको सबसे अधिक प्रेरणा किससे मिलती है? मुझे उद्देश्यपूर्ण जीवन, लोगों की सेवा और कर्म में विश्वास से प्रेरणा मिलती है। मेरा मानना है कि हम दुनिया को जो देते हैं, वही हमारे पास लौटकर आता है। एक व्यवसायी, काउंसलर और समाजसेवी के रूप में मेरी यात्रा ने मुझे जमीन से जुड़ा रखा है। मैं केवल इरादों में नहीं, बल्कि वास्तविक परिणाम देने में विश्वास रखती हूं। लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है।

6) ऑस्ट्रेलिया के बहुसांस्कृतिक समाज में भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका को आप कैसे देखती हैं? भारतीय प्रवासी समुदाय आज ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रभावशाली और सक्रिय समुदायों में से एक बन चुका है। समय के साथ भारतीय समुदाय ने केवल बसने और खुद को स्थापित करने तक सीमित न रहकर नेतृत्व, उद्यमिता और पेशेवर उत्कृष्टता के क्षेत्र में भी मजबूत पहचान बनाई है। आज भारतीय मूल के लोग व्यवसाय, राजनीति, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं और आधुनिक बहुसांस्कृतिक ऑस्ट्रेलिया के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

7) भारत-ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौते के बाद व्यापारिक संभावनाओं में क्या बदलाव आया है? फ्री ट्रेड एग्रीमेंट ने दोनों देशों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। इससे व्यापारिक बाधाएं कम हुई हैं और शिक्षा, कृषि, तकनीक तथा छोटे व्यवसायों में सहयोग बढ़ा है। उद्यमियों और निवेशकों के लिए यह समझौता नए नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बनाने का एक मजबूत मंच साबित हो रहा है।

8) भारत यात्रा आपके अपनी जड़ों से गहरे लगाव को दर्शाती है। आप इसे और कैसे मजबूत बनाना चाहती हैं? अपनी जड़ों से जुड़े रहना मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मैं भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सांस्कृतिक, व्यावसायिक और सामुदायिक संबंधों को और मजबूत करना चाहती हूं। सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विभिन्न पहलों के माध्यम से मैं दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाना चाहती हूं।

9) मेलबर्न का इंडियन फिल्म फेस्टिवल भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को किस प्रकार मजबूत करता है? Indian Film Festival of Melbourne भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सांस्कृतिक कूटनीति का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह भारतीय सिनेमा, संस्कृति और कहानियों को ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों तक पहुंचाता है। इसके माध्यम से दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ, सांस्कृतिक जुड़ाव और संबंध और अधिक मजबूत होते हैं। सुश्री शिवाली चैटली आज भारतीय प्रवासी समुदाय की उस नई पहचान का प्रतीक हैं, जिसने मेहनत, सेवा और नेतृत्व के बल पर ऑस्ट्रेलिया में अपनी अलग छाप छोड़ी है।

अल-नस्र की हार से टूटा रोनाल्डो का सपना, फाइनल के बाद मेडल लेने से भी किया इनकार

रियाद, एजेंसी। सऊदी क्लब अल-नस्र और फुटबॉल सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए शनिवार की रात बेहद निराशाजनक साबित हुई। एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में जापान के गाम्बा ओसाका ने अल-नस्र को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद रोनाल्डो ने रनर-अप मेडल लेने से भी इनकार कर दिया, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से हो रही है।

डेनिज हम्मत का गोल बना फर्क

मुकाबले में अल-नस्र ने गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा और लगातार अटैक किए, लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही। वहीं गाम्बा ओसाका ने मिले मौके का शानदार फायदा उठाया। मैच के 30वें मिनट में तुर्की फॉरवर्ड डेनीज हमात ने बॉक्स के अंदर से शानदार लो शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद लंबा वीएआर चेक हुआ, लेकिन आखिरकार गोल को मान्यता दे दी गई। हम्मत ने मैच के बाद कहा, 'मैं खुश हूं कि मैंने गोल किया और टीम की मदद कर सका। दूसरे हाफ में मैं काफी नर्वस था, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि हमने जीत हासिल की। मुझे अपने साथियों पर गर्व है।'

रोनाल्डो और फेलिक्स से चूके मौके

अल-नस्र के स्टार खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। पहले हाफ के अंत में रोनाल्डो को बराबरी का शानदार मौका मिला, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया। इसके बाद मैच खत्म होने से 13 मिनट पहले फेलिक्स का लंबी दूरी का शॉट पोस्ट से टकरा गया। ओसाका की मजबूत डिफेंस लाइन ने अल-नस्र के स्टार अटैक को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

हार के बाद मेडल लेने से किया इनकार

फाइनल हारने के बाद रोनाल्डो काफी निराश नजर आए। मैच खत्म होने के बाद उन्होंने रनर-अप मेडल लेने से इनकार कर दिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्र से जुड़े थे, लेकिन अब तक वह क्लब को कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं दिला सके हैं।

महज 21 साल की उम्र में अंगकृष रघुवंशी ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड

एक ही सीजन में ठोके पांच अर्धशतक

शुभमन गिल और बटलर का संघर्ष गया बेकार

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 29 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ कोलकाता ने 'प्लेऑफ' की उम्मीदों को बरकरार रखा है। कोलकाता 12 में से 5 मैच जीतकर 11 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सातवें पायदान पर मौजूद है, जबकि गुजरात टाइटंस 13 में से 8 मुकाबले जीतकर दूसरे पायदान पर बनी हुई है। गुजरात का मकसद अपने अगले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को शिकस्त देकर 18 अंकों के साथ अगले दौर का टिकट हासिल करना होगा। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 218 रन ही बना सकी। इस टीम को साईं सुदर्शन और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई।

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। वह महज 21 साल की उम्र में एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

रघुवंशी का रिकॉर्ड

21 साल और 345 दिन की उम्र में रघुवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो उनके आईपीएल करियर का सातवां अर्धशतक था। एक आईपीएल सीजन में 21 साल की उम्र में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ऋषभ पंत (साल 2018) और यशस्वी जायसवाल (साल 2023) शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 6-6 बार यह कारनामा किया है। वहीं, देवदत्त पड्डिकल ने साल 2022 में पांच बार ऐसा किया था।

रघुवंशी के पांच अर्धशतक

अंगकृष रघुवंशी ने इस आईपीएल सीजन के अपने पहले ही मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 52 रन बनाए। अंगकृष ने तीन मई को सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध दूसरे मैच में भी अर्धशतक (59) लगाया, जिसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 71 रन की पारी खेली।

केकेआर की पारी

आईपीएल 2026 के 60वें मुकाबले में केकेआर ने 20 ओवरों में दो विकेट खोकर 247 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने फिन एलन के साथ पहले विकेट के लिए 4.3 ओवरों में 44 रन की साझेदारी की। रहाणे 14 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद एलन ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 95 रन जोड़े। फिन एलन 35 गेंदों में 10 छक्कों और चार चौकों के साथ 93 रन की पारी खेलकर आउट हुए। यहां से रघुवंशी ने कैमरन ग्रीन के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 108 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 247/2 के स्कोर तक पहुंचाया। रघुवंशी 44 गेंदों में सात छक्कों और चार चौकों के साथ 82 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कैमरून ग्रीन ने 28 गेंदों में चार छक्कों और तीन चौकों के साथ 52 रन की नाबाद पारी खेली।

कोलकाता की शुरुआत बेहद आक्रामक रही, दिखाया दम

कोलकाता की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया और लगातार बड़े शॉट लगाए। मिडिल ऑर्डर ने भी तेजी से रन जोड़ते हुए स्कोर को 240 के पार पहुंचाया। ईडन गार्डन्स की बल्लेबाजी के लिए मददगार पिच का पूरा फायदा उठाया। गुजरात टाइटंस की ओर से गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे अनुभवी गेंदबाज भी रन गति पर अंकुश नहीं लगा सके। चक्रके बल्लेबाजों ने पावरप्ले से लेकर डेथ ओवर्स तक लगातार आक्रमण जारी रखा। 248 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस ने भी दमदार शुरुआत की। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज रन बनाए, लेकिन बढ़ते रन रेट के दबाव में टीम लगातार बड़े शॉट खेलने को मजबूर रही।

थाईलैंड ओपन के फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, मार्टिन-कार्नांडो ने दी शिकस्त

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की स्टार पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने से चूक गई। बैंकॉक में खेले गए रोमांचक फाइनल में इंडोनेशिया की लियो कार्नांडो और डेनिएल मार्टिन की जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 25-23 से हराया।

पहले गेम में लय नहीं पकड़ सके सात्विक-चिराग

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। चिराग शुरुआती सर्विस एक्सचेंज में संघर्ष करते दिखे, जिसका फायदा इंडोनेशियाई जोड़ी ने उठाया और जल्दी 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि भारतीय जोड़ी ने कुछ समय तक मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन लियो और डेनियल के आक्रामक स्मैश और तेज नेट प्ले के सामने वे टिक नहीं सके। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में दिखाया जबरदस्त जज्बा

पहला गेम गंवाने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की। भारतीय जोड़ी ने तेज रफ्तार रैलियों और बेहतर नेट गेम के दम पर मुकाबले में बराबरी बनाई। एक समय भारतीय जोड़ी 7-5 से आगे निकल गई और फिर दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। स्कोर 14-14 से लेकर 19-19 तक बराबरी पर चलता रहा। इसके बाद इंडोनेशियाई जोड़ी ने लगातार चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए, लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए चार बार मुकाबला बचा लिया। हालांकि पांचवें चैंपियनशिप प्वाइंट पर भारतीय जोड़ी नेट में शटल मार बैठी और मुकाबला हार गई। सात्विक और चिराग के लिए यह सीजन का पहला फाइनल था। सात्विक के कंधे की चोट के कारण भारतीय जोड़ी कुछ टूर्नामेंट नहीं खेल पाई थी, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। यह थाईलैंड ओपन में उनका तीसरा फाइनल था।

पेट्रोल-डीजल 3 रुपये महंगा करके बाजी जीती नहीं सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने देश में ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। बीते शुक्रवार को इसका ऐलान हुआ। ऐसा तेल मार्केटिंग कंपनियों पर पड़ने वाले बोझ को कम करने की कोशिश में किया गया। कारण है ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर के पार चली गई थीं। जबकि खुदरा कीमतें जस की तस बनी हुई थीं। अब जब पेट्रोल और डीजल 3 रुपये महंगे हो गए हैं तो अहम सवाल यह है- कीमतों में यह बढ़ोतरी किस हद तक मदद करेगी वैसे तो पहली नजर में यह नजरिया थोड़ा आशावादी लग सकता है। लेकिन, अब यह मुद्दा सिर्फ कच्चे तेल की कीमतों तक ही सीमित नहीं रह गया है। गिरता हुआ रुपया भी इस समीकरण में शामिल हो गया है। मुख्य चिंता यह है कि जब कमजोर होती मुद्रा और बढ़ती ईंधन लागत एक साथ आते हैं तो क्या होता है। ऐसी स्थिति में जरा सा बदलाव भी हालिया नीतिगत उपायों से होने वाले फायदों को खत्म कर सकता है। एसबीआई रिसर्च के 'इकोरैप' के अनुसार, रुपया अब ऐसे स्तर पर है जहां इसमें और गिरावट आने पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हाल ही में की गई 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से मिलने वाला फायदा बेअसर हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है, 'रुपये में महज 2 रुपये की और गिरावट भी कच्चे तेल की प्रभावी कीमत को बढ़ा देती है। इससे आयात की लागत बढ़ जाती है। यह मौजूदा ईंधन मूल्य बढ़ोतरी से होने वाले फायदों को पूरी तरह से खत्म कर देती है।' इसमें आगे कहा गया है कि ईंधन की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) पर पड़ने वाले वित्तीय दबाव को कम करने के लिए की गई। ये कंपनियां कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण लगातार नुकसान उठा रही हैं। जबकि खुदरा ईंधन की कीमतें अपरिवर्तित बनी हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'खुदरा कीमतों में कोई बदलाव न होने के कारण पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर ओएमसी को होने वाला नुकसान (अंडर-रिकवरी) तेजी से बढ़ रहा है।' इसमें आगे कहा गया है कि ये कंपनियां हर रोज 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठा रही हैं। यह साल भर में लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये के बराबर होता है। बैंक के अनुसार, ईंधन की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से ओएमसी को लगभग 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। लेकिन, यह उनके अनुमानित एफवाय27 (वित्त वर्ष 2026-27) के नुकसान का केवल 15 प्रतिशत ही भरपाई कर पाएगा। रिपोर्ट में करेंसी के उतार-चढ़ाव के प्रति इस राहत की संवेदनशीलता पर भी जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है, 'रुपया पहले ही गिरावट के एक ऐसे नाजुक स्तर के करीब पहुंच चुका है, जिसके पार जाने पर करेंसी में और कमजोरी आने से घरेलू ईंधन कीमतों में संशोधन से मिलने वाले अपेक्षित फायदे काफी हद तक खत्म हो सकते हैं।

दिल्ली- एनसीआर वालों को तगड़ा झटका, फिर महंगी हुई सीएनजी, 48 घंटे में दूसरी बार बढ़े दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने रविवार को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस की कीमतों में 1 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 48 घंटों के भीतर सीएनजी की कीमतों में यह लगातार दूसरी वृद्धि है, जिससे दिल्ली में सीएनजी के दाम पहली बार 80 रुपये के पार चले गए हैं। इससे पहले बीते शुक्रवार (15 मई) को भी आईजीएल ने सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 79.09 रुपये हो गई थी। अब रविवार को हुई 1 रुपये की और बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी का रेट 80 रुपये के स्तर को पार कर गया है। 15 मई को केंद्र सरकार ने देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बड़ी बढ़ोतरी की थी। सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल का रेट 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 90.67 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। लगातार बढ़ते ईंधन के दामों (पेट्रोल, डीजल और अब सीएनजी) के कारण दिल्ली-एनसीआर में कैब ऑटो, कमर्शियल गाड़ियों और रोजमर्रा के सफर के लिए कम्यूट करने वाले आम लोगों की जेब पर आर्थिक बोझ और ज्यादा बढ़ने वाला है। आने वाले दिनों में ऑटो और कैब चालकों द्वारा किराए में बढ़ोतरी की मांग भी तेज हो सकती है।

कचरेवाला कहकर लोग देते थे ताने, कॉलेज ड्रॉपआउट ने बदल दी हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिषेक अग्रवाल हैदराबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने बहुत कम समय में सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'गुडी बैग' है। यह एक वेस्ट मैनेजमेंट स्टार्टअप है। अभिषेक कॉलेज ड्रॉपआउट हैं। 2022 में उन्होंने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय और करोड़ों रुपये की लॉजिस्टिक्स कंपनी को पीछे छोड़कर उन्होंने इसकी शुरुआत की। शुरू में लोगों ने 'कचरेवाला' कहकर उन्हें ताने भी दिए। लेकिन, जल्द ही उन्होंने हवा का रुख बदल दिया। यह वेंचर आज हैदराबाद के 30,000 से अधिक घरों से सूखा कचरा जुटाता है। बदले में लोगों को मुफ्त राशन या पैसे देता है। वेस्ट मैनेजमेंट को रिवॉर्ड सिस्टम से जोड़ने वाले इस इनोवेटिव मॉडल के जरिए अभिषेक न सिर्फ पर्यावरण को बचा रहे हैं, बल्कि सालाना 1 करोड़ रुपये तक का टर्नओवर भी कमा रहे हैं। आइए, यहां अभिषेक अग्रवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अभिषेक अग्रवाल हैदराबाद में पले-बढ़े। उनका जन्म मारवाड़ी कारोबारी परिवार में हुआ। अभषिक का सफर हमेशा से लीक से हटकर रहा। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने

महसूस कर लिया था कि बंद कमरों का पारंपरिक रिटेल बिजनेस उनके स्वभाव के अनुकूल नहीं है। 2008 में उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने टीवीएस की डीलरशिप संभाली। फिर 2011 में अपनी लॉजिस्टिक्स कंपनी 'राघव रोडलाइंस' शुरू की। उन्होंने 13 सालों में देश के कोने-कोने तक भारी कार्गो पहुंचाया। 75 ट्रकों के बेड़े के साथ 3 से 4 करोड़ रुपये सालाना का टर्नओवर खड़ा किया। हालांकि, लगातार यात्राओं के कारण परिवार की बढ़ती चिंता और भारी दबाव के चलते साल 2023 में उन्हें अपने इस बेहद सफल बिजनेस को भारी मन से बंद करना पड़ा।

लॉजिस्टिक्स बिजनेस बंद होने के बाद कोरोना लॉकडाउन के दौर में अभिषेक ने उपभोक्ताओं के व्यवहार में एक बदलाव नोटिस किया। क्विक-कॉमर्स (क्विक डिलीवरी ऐप्स) के बढ़ते ट्रेंड के कारण हर घर में प्लास्टिक पैकेजिंग और डिलीवरी बॉक्स का अंबार लग रहा था। उन्होंने देखा कि कॉर्पोरेट सेक्टर के कचरे के लिए तो बड़े खिलाड़ी मौजूद हैं। लेकिन, घरों से निकलने वाले रोजमर्रा के सूखे कचरे के निपटान की कोई सही व्यवस्था नहीं है। इसी कमी को दूर करने के लिए उन्होंने 2022 में अपनी ही सोसाइटी के 200 विला का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर इस आइडिया का ट्रायल किया। शुरुआत में लोगों की ठंडी प्रतिक्रिया देखकर उन्हें एहसास हुआ कि जब तक लोगों को कोई सीधा फायदा (इंसेंटिव) नहीं मिलेगा, तब तक वे कचरा अलग करने की आदत नहीं डालेंगे। इस समस्या से निपटने के लिए अभिषेक ने बेहद आसान और पारदर्शी 'कचरा बदलें, रिवॉर्ड पाएं' मॉडल विकसित किया।

पीएम की अपील के बाद बदला माहौल, ईरान युद्ध के बाद से भारत ने खर्च किए 38 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से पूरे एशिया में विदेशी मुद्रा भंडार घटने लगा है। सेंट्रल बैंक अपनी करेंसी को बचाने के लिए फंड का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया है। भारत सहित प्रमुख एशियाई देशों को कच्चे तेल की सप्लाई का यह एक अहम रास्ता है। इससे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भारत के विदेशी मुद्रा बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इसका मुख्य कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतें और पूंजी प्रवाह में कमी है। इसी को देखते हुए हाल में पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ईंधन बचाने और सोने-चांदी की खरीद जैसे गैर-जरूरी खर्चों को टालने की अपील की है। इसके पीछे मंशा विदेशी मुद्रा भंडार को बचाने की ही है। इस अपील के बाद माहौल बदला है। मंत्रियों और नेताओं के काफिले छोटे हो गए हैं। कई बीजेपी नेता साइकिल और ट्रेन से सफर करते दिखे हैं। 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 38 अरब डॉलर कम हो गया है। यह फरवरी में अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 728.5 अरब डॉलर से घटकर लगभग 691 अरब डॉलर पर आ गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया आंकड़ों के अनुसार, 8 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 6.295 अरब डॉलर बढ़कर 696.988 अरब डॉलर हो गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़्वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)